विद्यार्थीके व्यक्तिगत परिचय

फोटो

विद्यार्थीक नाम : ....

ठेगान : ....

जन्म मिति : ....।.........।.........

माता क नाम : .... सम्पर्क नं. ....

पिता क नाम : .... सम्पर्क नं. ....

अभिभावक क नाम : .... सम्पर्क नं. ....

विद्यालयक नाम आ ठेगान : ....

विद्यालयक कोड नं. : .... विद्यार्थीक कोड नं. ....

प्रधानाध्यापक क नाम : .... सम्पर्क नं. ....

कक्षा शिक्षकक नाम : .... सम्पर्क नं. ....

घर आ विद्यालय बिच कऽ दुरी (कि.मी.) : ....

मन पसन्द भोजन : ....

मन पसन्द फलफुल : ....

मन पसन्द कपरा : ....

मन पसन्द फूल : ....

घुमेक लेल मन पसन्द ठाम : ....

मन पसन्द खेल : ....

प्रकाशक : बोदेबर्साइन नगरपालिका, सप्तरी मधेश प्रदेश, नेपाल

सहजीकरण : प्याट्रिएट एजुकेशन फाउण्डेसन प्रा.लि., ललितपुर नेपाल
(Patriot Education Foundation Pvt. Ltd.)

सर्वाधिकार : प्रकाशकमें

प्रकाशन : पहिलका संस्करण, वि.सं. २०८०

पाठ्यपुस्तक लेखन तथा सम्पादन : दुर्गा बहादुर वली क्षेत्री

डिजाइन : सम्पुर्ण प्रेस प्रा.लि., लगनखेल ललितपुर (पुरुषोत्तम राज कपाली)

चित्रांकन : अजय देसार

मैथिली भाषा सम्पादक : महेश कुमार साह, राजविराज सप्तरी

मुद्रण : बोदेबर्साइन नगरपालिका, सप्तरी

स्थानिय पाठ्यक्रम आ पाठयपुस्तककऽ निर्माण कथिल ?

नेपालके हरेक समुदाय सबके अपन समुदायकऽ आर्थिक, भौतिक, सामाजिक, प्राकृतिक आ साँस्कृतिक परिवेशमें सहभागी होय क आ तेकर सबके जगेर्ना आ विकास करेक अधिकार नेपालकँ संविधान (२०७२) मे रहल मौलिक हक में व्यवस्था केनै छई । संविधान में केलगेल व्यवस्था अनुरूप परिमार्जित राष्ट्रिय पाठयक्रम प्रारूप २०७६ आ स्थानिय पाठयक्रम निर्देशिका २०७६ सँ आधारभूत तह तक स्थानिय पाठयक्रम लागुकऽ के सिखाबेवाला क्रियाकलाप संचालन करेक लेल निर्देश केन छई, तहिके आधार पर यी स्थानिय पाठयक्रम आ पाठयपुस्तक तयार केलगेल छई । आधारभुत तहके शिक्षासँ विद्यार्थीके ज्ञान, सिप आ सक्षमताके विकास करेत विद्यार्थी मैंत्री आ सर्वाङ्गिण विकास करे क लक्ष्य राष्ट्र पाठ्यक्रम रखने छई । राष्ट्रिय उद्देश्य सबसँ मेल हई वाला स्थानिय पाठ्यक्रमके उद्देश्य सब तयार केने छई । स्थानिय पाठ्यक्रमके उद्देश्य सब हक प्राप्ती होयब के लेल यी पाठ्यपुस्तक तयार केलगेल छई ।

अही सन्दर्भमें बोदेबर्साइन नगरपालिका भी 'राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारूप-२०७५,२०७६' आ 'स्थानीय पाठ्यक्रम निर्देशिका-२०७६' के उद्देश्यक क आत्मसाथ करेत "हमर बोदेबर्साइन" पाठ्यपुस्तक तयार केने छई । आधारभुत तह (कक्षा १ सँ ८) तक के पाठ्यपुस्तक लिखयके दायित्व सब पुरा करेक लेल जा रहेल छई । अहि क्रममें स्थानीय पाठ्यक्रमके आर्दश मूल्यमान्यता सबके पछुवाबैत स्थानीय आवश्यकता, चाहना आ रूची सबके ध्यानमें राइख के यी पाठ्य्क्रम आ पाठ्यपुस्तक निर्माण केने छई । राष्ट्रिय पाठ्यक्रम प्रारूप जका आधारभूत तह (कक्षा १ सँ ३) तक में मातृ भाषिक सीप/स्थानीय विषयवस्तु सबक सम्बन्धमें क्रियाकलाप समावेश कैर कें पाठ्यभार ५ आ वार्षिक पाठ्यघण्टा १६० कायम केने छई । तहिना आधारभूत तह (कक्षा ४ सँ ५) सबहक हकमें पाठ्यभार ४ आ पाठ्यघण्टा १२८, आ कक्षा ६-८ में थप एक गो जडिबुटी पाठ समावेश कैर कें पाठ्यभार ४ आ पाठ्यघण्टा १२८ तोइक के स्थानिय भाषामें पठनपाठन हैयवाला जका संयोजन केनें छई ।

पाठ्यक्रम आ पाठ्यपुस्तक निर्माण आ लेखनके क्रममें बहुतौं चरणके गोष्ठी, छलफल, अन्तरक्रिया आ अनुसन्धान सब मार्फतसऽ स्थानीय स्तरके आवश्यकता आ पाठ्यक्रममे समेटेवाला विषय सन्दर्भ सबहक बारेमे अवधारणा निर्माण केने छई । स्थानीय सीप, क्षमता, कला, पेशा, व्यवसाय, स्थानीय सम्पदा, स्थानीय पहिचान सबकऽ पाठ्यक्रममें समेटके विद्यार्थी सब हक ज्ञान, सीप आ अभिवृत्ति सबकऽ उजागर करेक प्रयास पाठ्यक्रममे केल गेल छई । बोदेबर्साइन कथि चिये ? सेहो विषयवस्तु सबके आ सबकोई अपन पहिचान अपने सँ देखौं आ सबकोई अपनत्व महशुस करेत रहौं सें ढंगसँ बनाओल गेल यी पाठ्यक्रम आ तकर परिधी भित्रर में रहिकें तयार केल गेल पाठ्यपुस्तक सँ नयाँ पिंढी आ पुस्ता सबके अपन मौलिकपनके खोजी करेक लेल प्रेरित करेत रहत । साथै अईस स्थानीय अभ्यास सबके, ज्ञान, सीप,

प्रविधि आ पेशा सबहक विशेषता सबकें विश्वव्यापी बनावैत परम्परागत पेशा, प्रविधि, सिप आ ज्ञान सबके व्यवसायीकरण दिस भी सहयोग करत से विश्वास लेनें चियें । अपन परिवेश कऽ विषयवस्तु आ अहि गाम ठाँमके आकर्षक आ ऐतिहासिक चित्र सब अपन जन्मल माइट पाइन कँ चिनबाक लेल आ अही माइटपाईन में किछ करब सें भावना विद्यार्थीसबमें जगाबेक लेल यी पाठ्यपुस्तक प्रेरक हेतैं, सेहों विश्वास केनें छई ।

स्थानीय पाठ्यक्रम आ पाठ्यपुस्तकके ऐतिहासिक महत्व छई, कथिल तँ स्थानीय सरोकारवाला सबके आवश्यकता, चाहना आ ओकरा सबके सहभागीतामें स्थानीय विषयवस्तु सबके समावेश कैर के निर्माण भेल गेल छई आ कार्यान्वयन करनाई भी छई । यी पाठ्यक्रम आ पाठ्यपुस्तक निर्माणक सन्दर्भमें अई नगरपालिकाक नगर प्रमुख श्री आतेश कुमार सिंह, नगर उपप्रमुख श्री रेणु कुमारी साह, नगरपालिकाक निमित्त प्रमुख प्रशासकिय अधिकृत श्री घनश्याम यादव आ नगर शिक्षा प्रमुख श्री राम सागर यादव, सुचना प्रविधि के अजित कुमार यादव, सुचना अधिकारी तथा सुचना प्रविधि शाखाके श्री इयामुल हक जी लगायत सकारात्मक पहल सहित सम्पुर्ण जनप्रतिनिधि, राजनैतिक व्यक्तित्व, नगरपालिका क कर्मचारी, पाठ्यक्रम विज्ञ, शिक्षाविद्, प्रधानाध्यापक, शिक्षक, अभिभावक, विद्यार्थी, लेखक, स्थानीय सरोकारवाला लगायत बोदेबर्साइन नगरपालिकाबासी सबके अमुल्य सल्लाह, सुझाव आ सहयोग प्राप्त भेल छई, तईके खातिर ओकरा सब के हार्दिक धन्यवाद दयल चाहे चीं । अईके प्रकाशनमें सहयोग आ सहजीकरण केनहार संस्था प्याट्रिएट एजुकेसन फाउण्डेशन ललितपुर आ अहिं संस्थाके अध्यक्ष श्री दुर्गा बहादुर वली क्षेत्री, पाठ्यक्रम निर्माणमें खट निहार भाषा विज्ञ श्री ओम कान्त पण्डित प्रति नगरपालिका हार्दिक आभार व्यक्त करेत छई । पाठ्पुस्तकमे भाषा सम्पादनके साथे लेखनके भी जिम्मेवारी निर्वाह केनिहार श्री महेश कुमार साह आ स्थानिय रूपमें संयोजन केनहार श्री श्रीलाल सरदार जी प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करेंची ।

अन्त्यमें, 'हमर बोदेबर्साइन' यी स्थानीय पाठ्यक्रम आ पाठ्यपुस्तकके पुर्ण सफल कार्यान्वयन कऽ लेल शुभकामना व्यक्त करेक लेल चाहेंची । निर्माण कँ बखत जोका हीं अई पुस्तकके अर्थपुर्ण कार्यान्वयनकें सन्दर्भमें भी शिक्षा सरोकारवाला सब पक्षके ओहिना जँका सहयोग आ सदभाव रहत से आशा आ विश्वास नगरपालिका राखन छई ।

बोदेबर्साइन नगरपालिका
सप्तरी, मधेश प्रदेश, नेपाल

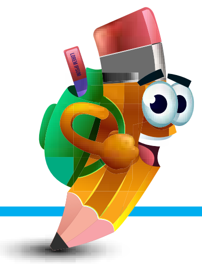

बुझाउत आइकन

सुनु

गाबु

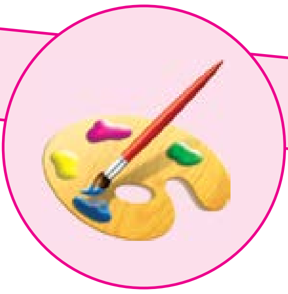
रंग भरु

लेखु

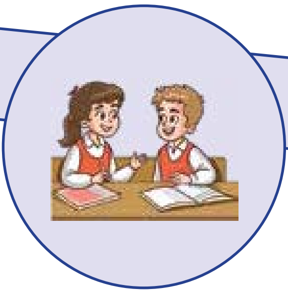
छलफल करु

टिक लगाबुँ

पढुँ

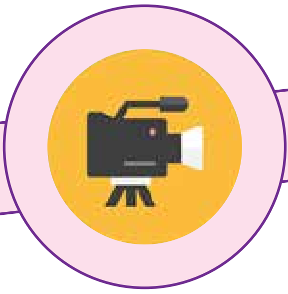
भिडियो देखकँ

बातचित करुँ

गाबुँ

विषयसूची

एकाई १	**हमर भाषा आ हिसाबके कला**		**१-५५**
	पाठ १	हम आ हमर परिवार	१
	पाठ २	हमर वर्ण सव	७
	पाठ ३	स्वर वर्णसव (ऋ, ए, ऐ, ओ, औ, अं, अः)	१६
	पाठ ४	हमर मैथिली भाषाकेमात्रा	२४
	पाठ ५	ब्यन्जन वर्ण चिनारी	३०
	पाठ ६	शब्द निर्माण	४५
	पाठ ७	स्थानिय गामठाममैं काम लागेवाला हिसाबके सिप सवऽ	५०
एकाई २	**बोदेबर्साइन नगरपालिकाके परिचय**		**५६-६१**
	पाठ १	इतिहास, भौगोलिक आ राजनैतिक बिभाजन	५६
	पाठ २	बोदे बर्साईन नगरपालिकामैं रहल जनता सबके सेवा सब प्रदान करैवाला संघसंस्था सब	५९
एकाई ३	**बोदेबर्साइन नगरपालिकाके सम्पदा, कला संस्कृती आ रीतिरिवाज**		**६२-६९**
	पाठ १	अपन सम्पदा	६२
	पाठ २	अपन संस्कृति आ रीतिरिवाज	६४
	पाठ ३	हमर मिथिलाकला	६६
एकाई ४	**बोदेबर्साइन नगरपालिका भित्तर हईभङ रहल तरकारी आ फलफूल खेती**		**७०-७७**
	पाठ १	तरकारी खाऊ, स्वस्थ रहुँ ।	७०
	पाठ २	तरकारी फलाबु, पैसा कमाबुँ ।	७२
	पाठ ३	फलफूल खाऊ स्वस्थ रहुँ ।	७४
	पाठ ४	फलफूलकँ गाछ वृक्ष रोपुँ ।	७६
एकाई ५	**पशुपंक्षी पालन ब्यवसाय**		**७८-८४**
	पाठ १	निचाँ देल गेल क्रियाकलाप करु ।	७८
	पाठ २	पवन लालकँ कुखुरा व्यवसाय	७९
एकाई ६	**यातायात, भौतिक पूर्वाधार आ ट्राफिक नियम**		**८५-८८**
	पाठ १	यातायात	८५
	पाठ २	हुलाकी मार्ग	८६
	पाठ ३	ट्राफिक बत्ती आ जेब्राक्रसिङके देखु अवलोकन क कैं निचा देल गेल क्रियाकलाप सब करु ।	८७
एकाई ७	**बोदेबर्साइन नगरपालिकाके स्थानीय प्रबिधि आ बिकास**		**८९-९४**
	पाठ १	स्थानिय प्रविधिसबँ	८९
	पाठ २	ढकिया	९१
	पाठ ३	अपन प्रविधि सबहक नाम आ ओ सबहक काज	९३
एकाई ८	**स्थानिय प्राकृतिक प्रकोप आ स्वास्थ्य सम्बन्धक चेतनासब**		**९५-१०२**
	पाठ १	प्राकृतिक प्रकोप	९५
	पाठ २	स्वास्थ्य सम्बन्धकँ चेतना	९८
	पाठ ३	स्वास्थ्य केन्द्र	१००

एकाई १

हमर भाषा आ हिसाबके कला

पाठ १ हम आ हमर परिवार

१. सुनु आ लय मिलाके गाबु ।

प्रणाम ! प्रणाम ! ! प्रणाम ! ! !
गुरूमा, गुरूबा साथीसब,
प्रणाम ! प्रणाम ! ! प्रणाम ! ! !
हमर माई बाबु आ दादा दादी ।

२. शिक्षक सँगै–सँग गाबु आ अपन परिवारके सदस्य सव के चिन्हु ।

३. सुनु आ उत्तर दियौं ।

हमर नाम गिता चिये । हमर गामके नाम बोदेबर्साइन चिये । हमर परिवारमे हम सब ६ गोटे सदस्य सब चियै । हमर स्कुलके नाम श्री मुन्मी आधारभुत विद्यालय चियै । हम कक्षा १ मे पढै चियै । हमरा आता के फल आ गेंदा कऽ फुल मन परई छै । हम पिलो डण्डा खेल खेलई चियै ।

क. आँहाके गामके नाम कथि चियै ?

ख. आँहाके परिवारमे कतेक कोई लोग सदस्य सब चियै ?

ग. आँहाके मन पसन्द फुल कोन चियै ?

घ. आँहा कोन स्कुलमे पढै चियै ?

ङ. आँहाके मन पसन्द खेल कथि चियै ?

४. तस्बिरमे रंग भरु ।

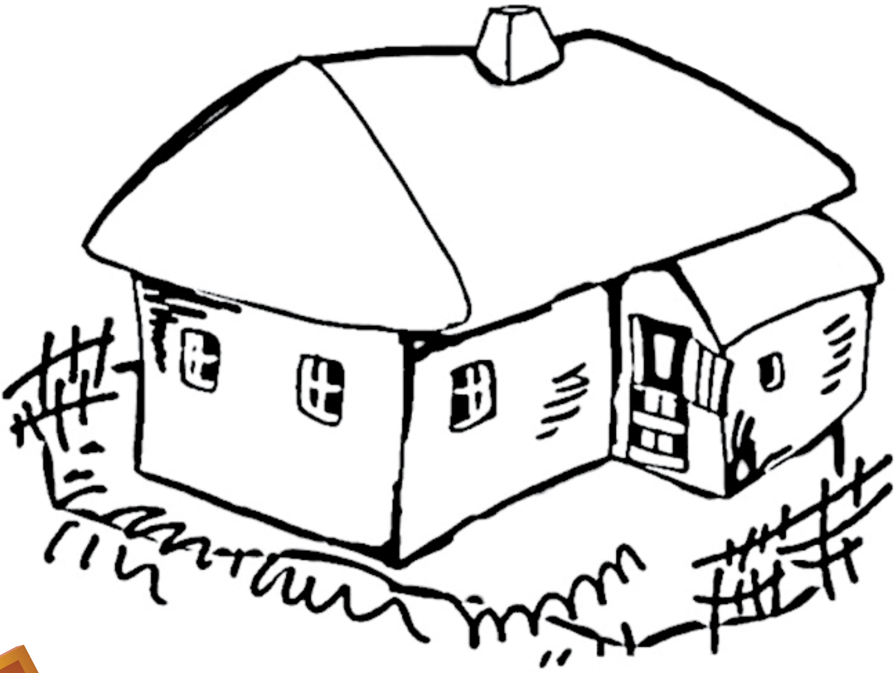

५. शरिरक अंगके ४ मध्ये एक फरक चित्रमें गोल घेरा ○ लगाबु ।

६. शिक्षकके बातचित सुनु आ मैथिली भाषाकै उपर छलफल करु ।

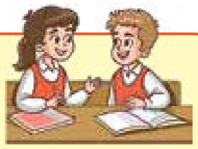

मैथिली भाषा मिथिला क्षेत्रक मूल भाषा चियै । मिथिला क्षेत्र नेपालक मध्य आ पूर्वी तराई क्षेत्र सबके जनावैत छै । मैथिली भाषा नेपालक दोसर सबसे बेसी बज्जेवाला भाषा चियै । यी भाषा खास क कै देवनागरी आ तिरहुता लिपिमे लिखल जाईत छै । लेकिन अई ठाम दुई गो और ऐतिहासिक रूपसँ महत्वपुर्ण लिपि सव छै तिरहुता आ मिथिला जेकर प्रयोग अखनौ तक भऽ रहल छै ।

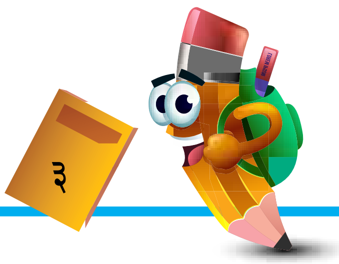

७. बुन्का बुन्का जोडिके चित्र बनाबु ।

ठाडैं

सुतल

दाहिन धडकल

बामा धडकल

उपर उठल आधा गोल

निचा घुमल आधा गोल

दाहिन घुमल आधा गोल

बामा घुमल आधा गोल

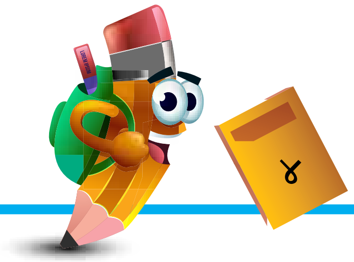

आन्तरिक मूल्याङ्कन

देल गेल निर्देशन बमोजिम काज करु ।

१. पहिले सुनु तब कहुँ आ करु ।

क. प्रणाम　　　　　　　ख. गुरूबा/गुरूमा सबके प्रणाम

२. अपन परिवारके सदस्य सबके नाम कहुँ ।

दादा, दादी, बाबु, माई

३. परिवार शब्द सुनला पर आँहाके मनमे कोन कोन शब्द सब आवैय खालि ठाममें लिखु ।

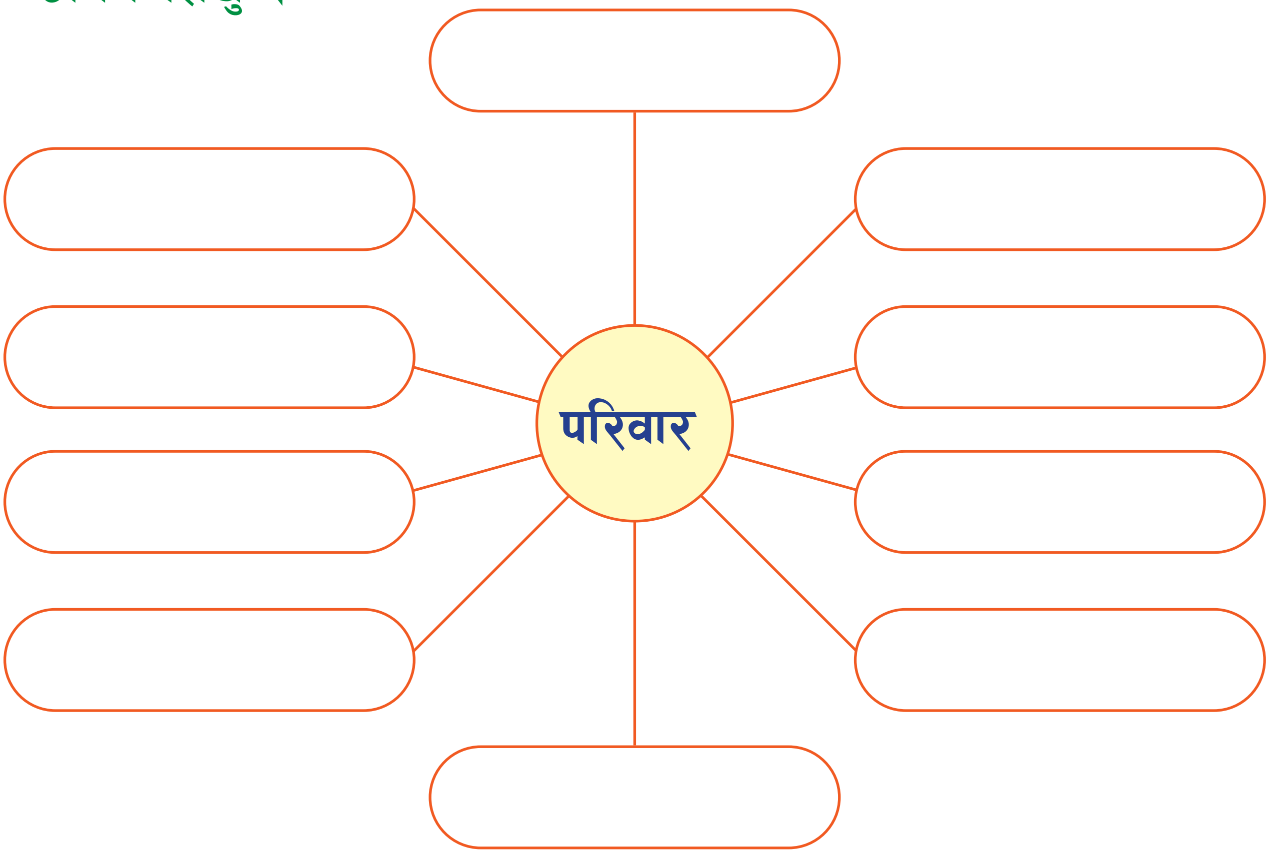

४. शरीरकै अंगके देखाके नाम सब कहुँ ।

आइख, कान, हात, मुह, कपार, टांग, पैर, छाती

५. सवालकै जवाफ दियौं

क. आँहाके नाम कि चिये ?

ख. आँहाके गामकै नाम कथि चिये ?

ग. आँहाके मन पसन्द फूल कोन चिये ?

घ. आँहाके स्कुलके नाम कि चिये ?

ङ. आँहाके कोन खेल मन पसन्द परेछे ?

६. तिरहुता कोन भाषाके लिपि चिये ? आ यी भाषा कतः सवसे बेसी बोलेत छई ?

८. कहल गेल निर्देशन जौका डाईर तानु/खिंचु ।

ठाडै		सुतल	
बामा धरकल		दाहिन धरकल	
दाहिन घुमल आधा गोल		बामा घुमल आधा गोल	
उपर उठल आधा गोल		निचा घुमल आधा गोल	

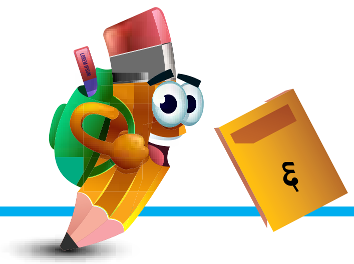

पाठ २ हमर वर्ण सव

१. मैथिली क तिरहुता लिपी मे रहल स्वर वर्ण जेकर देवनागरी लिपी

𑒁	𑒂	𑒃	𑒄/𑒄	𑒅
अ	**आ**	**इ**	**ई**	**उ**
𑒆/𑒅𑒴	𑒇	𑒋	𑒌/𑒋𑒺	𑒍/𑒁𑒼
ऊ	**ऋ**	**ए**	**ऐ**	**ओ**
	𑒎/𑒁𑒾	𑒁𑓀	𑒁𑓁	
	औ	**अं**	**अः**	

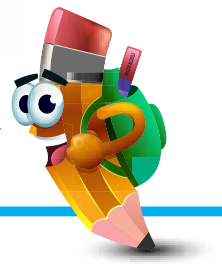

३. सुनु आ 𑒁 (अ), 𑒂 (आ) के शब्दसबके प्रयोग भेल शब्द सब कहुँ ।

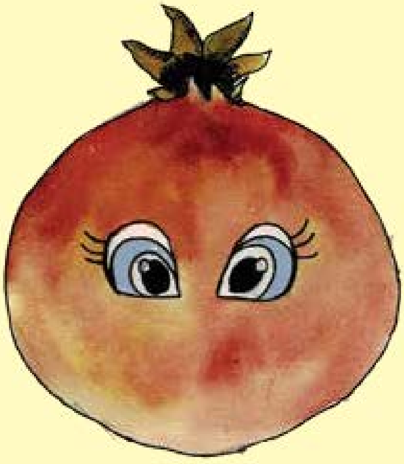

𑒁𑒧𑒩 𑒁𑒣𑒢 𑒧𑒰𑒋𑒮𑒿 𑒁𑒢𑒰𑒩 𑒞𑒼𑒛𑓃𑒻𑒏𑒹 𑒪𑒹𑒪 𑒒𑒩 𑒮𑒿 𑒁𑒑𑒰𑒩𑒱 𑒑𑒋𑒪 । 𑒁𑒢𑒰𑒩 𑒐𑒙𑓂𑒙𑒰 𑒕𑒪 । 𑒍 𑒁𑒣𑒢 𑒯𑒰𑒞𑒧𑒹 𑒁𑒢𑒰𑒩 𑒣𑒏𑒛𑓃𑒪𑒏 । 𑒍 𑒁𑒢𑒰𑒩𑒏𑒹𑒿 𑒠𑒳𑒃𑒑𑒼 𑒂𑒿𑒐𑒱 𑒠𑒹𑒐𑒪𑒏 । "𑒂𑒯𑒰, 𑒏𑒞𑒹𑒏 𑒢𑒱𑒏 𑒁𑒢𑒰𑒩 𑒕𑒻?", 𑒁𑒧𑒩 𑒏𑒯𑒪𑒏 । 𑒁𑒢𑒰𑒩 𑒏𑒯𑒪𑒏, 𑒯𑒧 𑒂𑒿𑒯𑒰𑒏𑒹 𑒧𑒢 𑒣𑒮𑒢𑓂𑒠 𑒤𑒪 । 𑒂𑒥𑒹 𑒯𑒧

अमर ओ अपन माय सँग अनार तोरेक लेल घर सँ अगारि गेएल छेले । अनार खाटा छलें । उ अपन हातमे अनार पकडलक । अनारक दुईगो आइख देखलक । 'आहा, कतेक निक अनार छै?' अमर कहल कई । अनार कहलक, 'हम आहाँके मन पसन्द फल !, आब हम और मिठ भया गेलु' ।

४. 𑒁 (अ), 𑒂 (आ) वर्णमे गोल घेरा ○ लगाबु ।

𑒁𑒢𑒰𑒩	𑒧𑒰𑒋	𑒁𑒧𑒱𑒢𑒰
𑒐𑒙𑓂𑒙𑒰	𑒂𑒑𑒰	𑒂𑒃𑒮

अनार	माइ	आम
खट्टा	आगा	आइस

५. बुन्का उपर सिधा धर्का ताइनक 𑒁 (अ), 𑒂 (आ) लिखु ।

𑒁 𑒁

𑒂 𑒂

६. सुनु आ स्वर मे स्वर मिलाके गाबुँ ।

𑒃 𑒮𑒿 𑒃𑒢𑒰𑒩, 𑒄 𑒮𑒿 𑒄𑒙𑓂𑒙𑒰
𑒃𑒢𑓂𑒖𑒱𑒢 𑒣𑒿 𑒥𑒹𑒚𑒏 𑒄𑒬𑒰 𑒤𑒯𑒩𑒰𑒥𑒻𑒨 𑒗𑒝𑓂𑒛𑒰
𑒃𑒢𑒰𑒧 𑒣𑒰𑒃𑒥𑒏 𑒄𑒬𑒰 𑒐𑒳𑒬𑒲 𑒦𑒹𑒪 ।
𑒃𑒢𑓂𑒠𑓂𑒩𑒹𑒝𑒲 𑒧𑒹 𑒮𑒰𑒞𑒼𑓀 𑒩𑓀𑒑 𑒠𑒹𑒐𑒰𑒃𑒞 𑒕𑒪 ।

इ सँ इनार, ई सँ ईट्टा
इन्जिन पँ बेठक ईशा फहराबैय झण्डा
इनाम पाइबक ईशा खुशी भेल ।
इन्द्रेणी मे सातों रंग देखाईत छल ।

७. “इ” (इ) सँ “ई/ई” (ई) अक्षर सब सँ सुरु होयवाला चित्र चिन्नु आ नाम कहुँ ।

८. बुन्का उपर सिधा रेखा ताइनके “इ” (इ) आ “ई/ई” (ई) लिखुँ ।

९. "উ" (उ) सँ "উু/উফ" (ऊ) अक्षर तक चिन्हु आ कहुँ ।

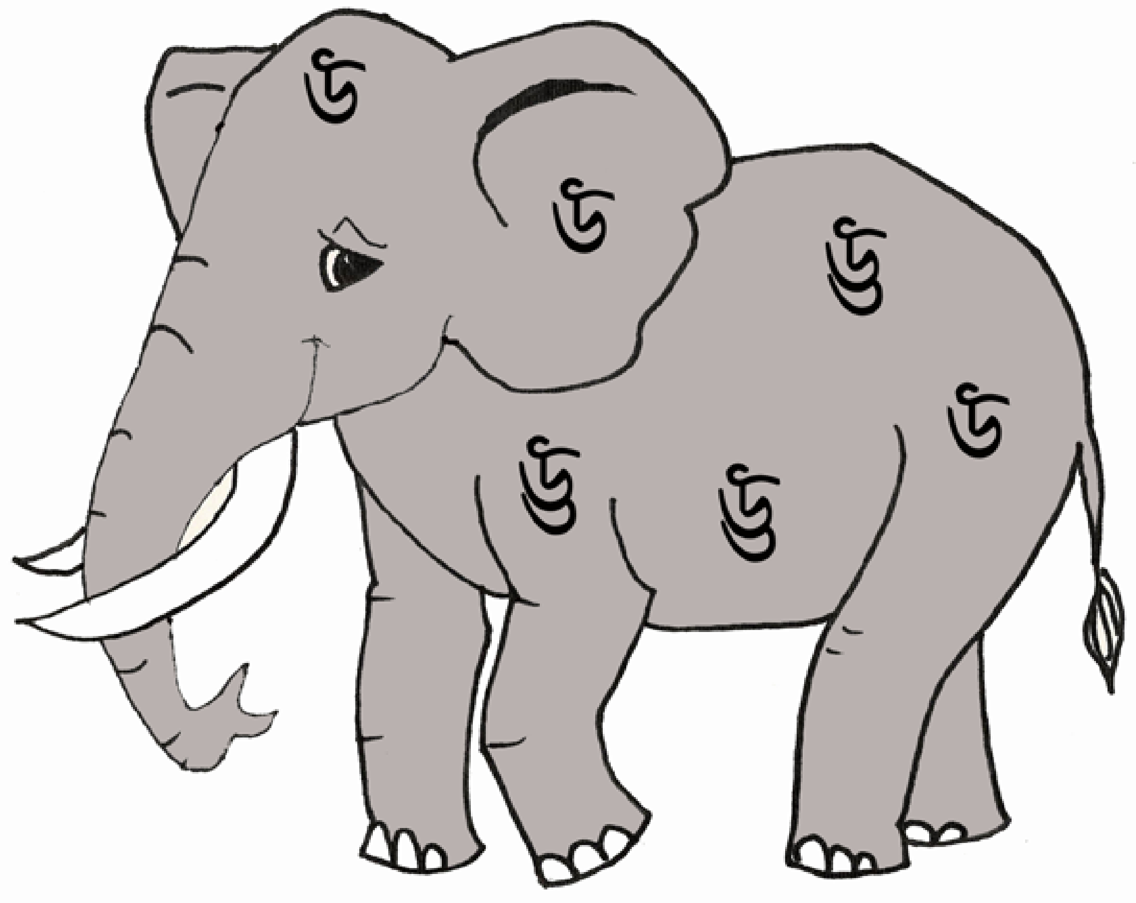

१०. सुनु तब উ (उ), উু/উফ (ऊ) सँ बनल शब्द सब कहुँ ।

উষা পাইন গরম কেএলক। উষা উর্মিলাকেঁ চায
বনাকেঁ কপ মে দেলকৈ। তখনিয়ে উমেশ উইখ
বোইককেঁ একাএক আইব গেল। তীনু গোটে উইখ
কেঁ বহুত নিমন মানৈত খেলকৈ।

उषा पाइन गरम केएलक। उषा उर्मिला के चाय बना के कप मे देलकै। तखनिये उमेश उइख बोइकके एकाएक आइब गेल। तीनु गोटे उइख क बहुत निमन मानैत खेलकै।

१९. बुन्का उपर लाइन ताइनके “উ” (उ) आ “ঊ/উফ” (ऊ) लिखुँ ।

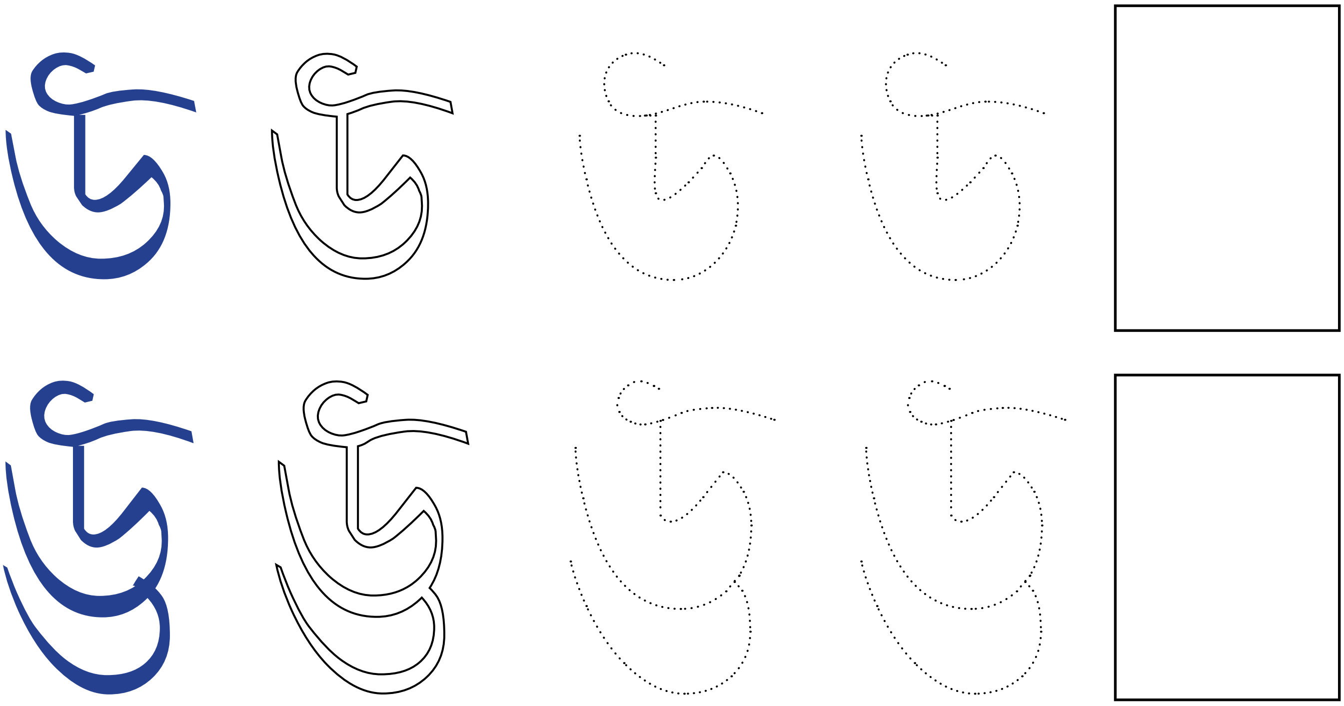

आन्तरिक मूल्याङ्कन

देल गेल निर्देशन बमोजिम काज करु ।

१. अक्षरसँ मिलेवाला चित्र सब बिच जोरा मिलाबुँ ।

আ	आ	
ই	इ	
ঈ	ई	
উ	उ	
ঊ	ऊ	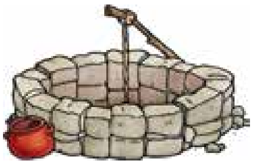

२. बुन्का बुन्का जोइरके अक्षर बनाबु ।

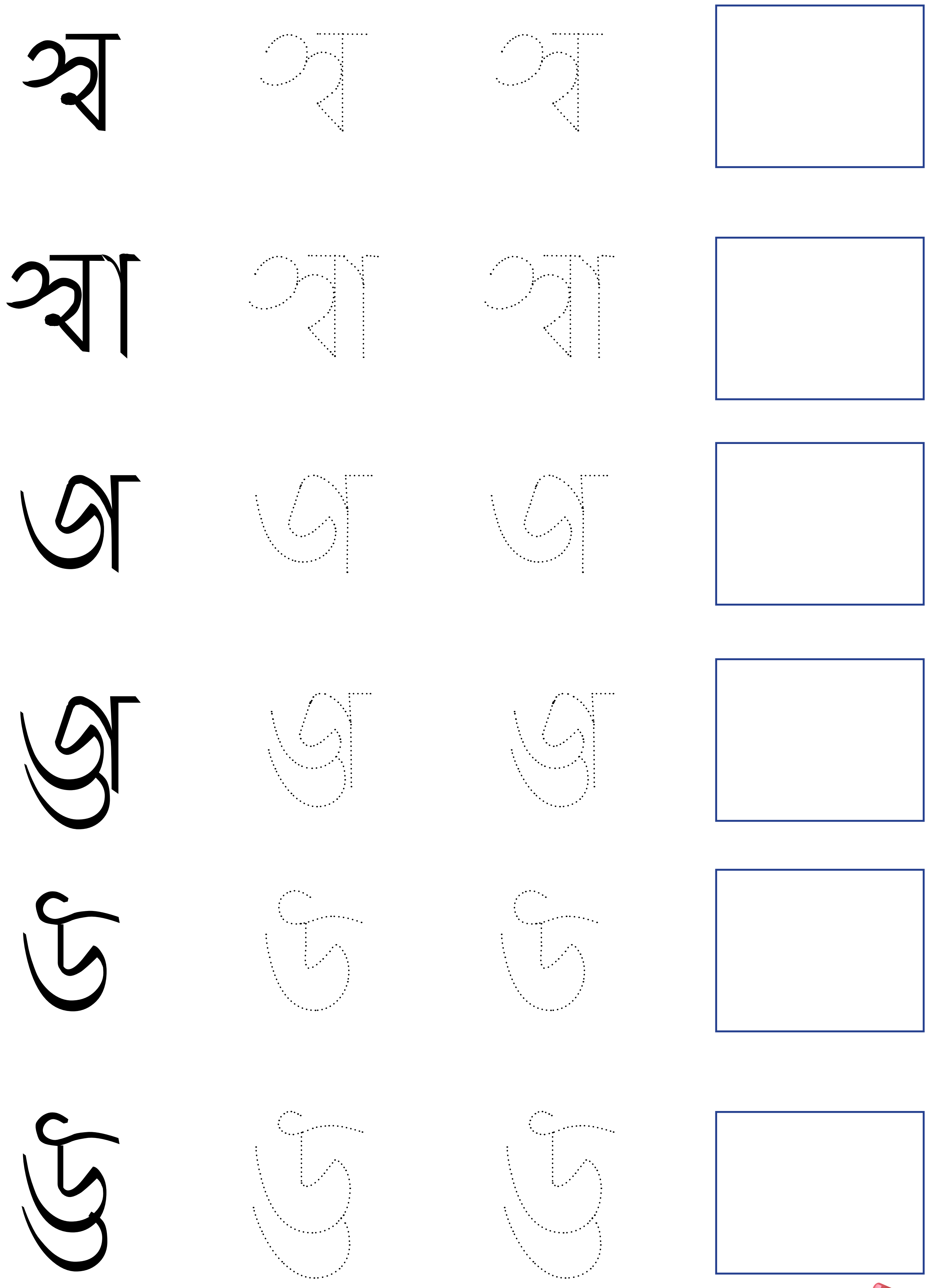

३. चित्र देखु आ नाम कहुँ ।

४. चार चित्र मे एक को अलग चित्रमे गोल ○ लगाबु ।

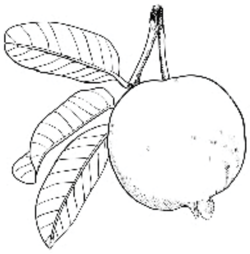 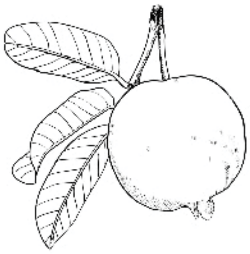 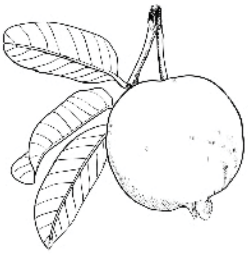

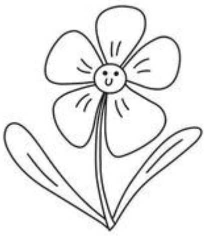

१ २ १ १

५. चित्र चिन्हु आ मिले वाला अक्षर सवँ लिखु ।

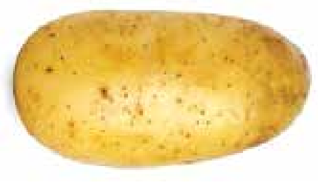

६. बुन्का ताइनक ओहिने रंग भरु ।

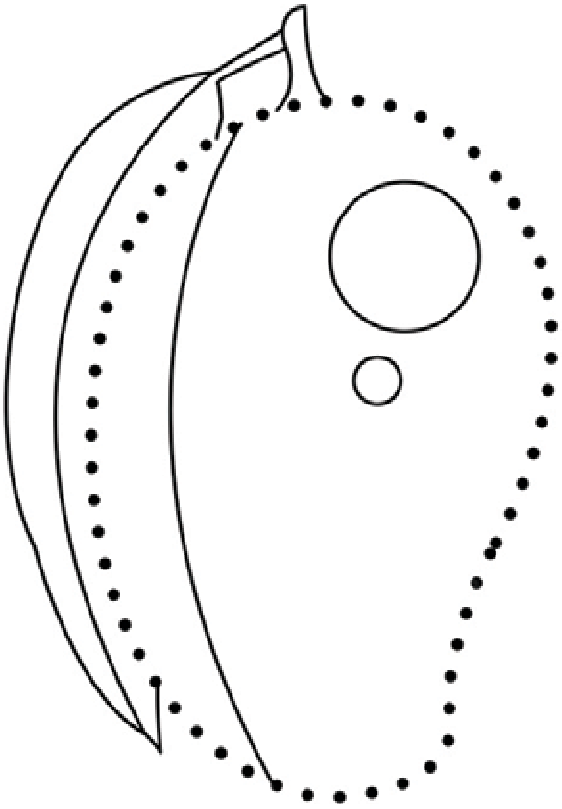

पाठ ३ स्वर वर्णसव (ऋ, ए, ऐ, ओ, औ, अं, अः)

१. सुन्नु आ लय मिलायके गाबु ।

𑒇𑒔𑒰 𑒂 𑒇𑒭𑒧 𑒠𑒼𑒮𑓂𑒞 𑒔𑒲
𑒇𑒭𑒱 𑒢𑒃 𑒥𑒼𑒪𑒹𑒞 𑒕𑒻 𑒥𑒜𑒱𑒨𑒰 𑒮𑒿।
𑒇𑒞𑒳 𑒕𑒯 𑒑𑒼 𑒯𑒼𑒨𑒹𑒞 𑒕𑒻।
𑒇𑒝𑒰 𑒢𑒏 𑒠𑒳𑒏𑒰𑒢𑒠𑒰𑒩, 𑒫𑓂𑒨𑒫𑒮𑒰𑒨 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒕𑒻।

ऋचा आ ऋषम दोस्त ची
ऋषि बढिया सँ नई बोलेत छै।
ऋतु सब ६ गो हई छै।
दुकानदार, व्यवसाय करे छै।

२. बुन्का कँ उपर डाइर तानु आ "𑒇" (ऋ) लिखु

𑒇 𑒇

३. चित्रके चिनु आ ओकरा सवके नाम कहुँ ।

१

११

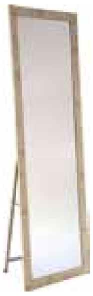

४. कथा सुनु आ ए (ए), ऐ/एे (ऐ) रहल अक्षरसवके गोल घेरा लगाबु ।

𑒌𑒏 𑒥𑒹𑒩 𑒁𑒣𑒢 𑒖𑒱𑒪𑓂𑒪𑒰 𑒮𑒣𑓂𑒞𑒩𑒲𑒏𑒹 𑒋𑒏𑒑𑒼 𑒑𑒰𑒧𑒧𑒹 𑒋𑒏𑒙𑒰 𑒥𑒯𑒳𑒞 𑒁𑒖𑒲𑒥 𑒮𑒅𑓄 𑒒𑒙𑒢𑒰 𑒦𑒹𑒪 𑒕𑒪 । 𑒋𑒏𑒑𑒼 𑒌𑒩𑒰𑒫𑒞𑒲 𑒁𑒣𑒢 𑒦𑒹𑒪 𑒥𑒛𑒏𑒰 𑒮𑒳𑒿𑒛 𑒯𑒪𑓂𑒪𑒰𑒥𑒻𑒞 𑒖𑓀𑒑𑒪𑒮𑒿𑓄 𑒑𑒰𑒧 𑒠𑒱𑒮𑒿 𑒂𑒃𑒥𑒿 𑒑𑒹𑒪 । 𑒑𑒰𑒧𑒏𑒹 𑒪𑒼𑒑 𑒮𑒥 𑒒𑒥𑒩𑒰𑒨 𑒑𑒹𑒪 । 𑒋𑒏𑒑𑒼 𑒪𑒼𑒑 𑒍 𑒁𑒣𑒢 𑒒𑒩 𑒖𑒰𑒏𑒹 𑒌𑒢𑒰 𑒪𑒰𑒥𑒪𑒏 । 𑒠𑒼𑒮𑒩 𑒏𑒼𑒖𑒻 𑒋𑒏𑒞𑒰𑒩𑒹 (𑒥𑒱𑒝𑒰) 𑒪𑒰𑒥𑒪𑒏 । 𑒌𑒩𑒰𑒫𑒞𑒲 𑒏𑒿𑓄 𑒌𑒢𑒰 𑒠𑒹𑒐𑒰𑒏𑒿𑓄 𑒋𑒏𑒞𑒰𑒩𑒹 (𑒥𑒱𑒝𑒰) 𑒥𑒖𑒪𑒰𑒮𑒿 𑒂 𑒐𑒛𑒰 𑒦𑒹𑒪 । 𑒮𑓀𑒑𑒱𑒞 𑒮𑒳𑒢𑒪𑒰𑒮𑒿 𑒌𑒩𑒰𑒫𑒞𑒲 𑒐𑒳𑒬𑒲 𑒮𑒿 𑒑𑒠𑒑𑒠 𑒦𑒹𑒪 𑒂 𑒖𑓀𑒑𑒪𑒠𑒱𑒮 𑒤𑒹𑒩 𑒮𑒿 𑒔𑒪𑒱 𑒑𑒹𑒪 ।

ऐक वेर अपन जिल्ला सप्तरीके एकगो गाममे एकटा बहुत अजीव जेका घटना भेल छलें । एकगो ऐरावती (हात्ति) ओ अपन बडका सुडँ हिल्लाबैत जंगलसँऽ गाम दिसँ आइब गेल । गामके लोग सब घवरा गेलें । एकगो लोग ओ अपन घर जाएके ऐना लावलक । दोसर लोग ओ अपन घर सँ एकतारे (विणा) लावलक । ऐरावती कऽ ऐना देखा के एकतारे (विणा) बजेला सँ ओ खडा भेल । मधुर संगित सुनलासँ ऐरावती खुशी सँ गदगद भेल आ जंगलदिस फेर सँ चेल गेल ।

ओदानमे कसौंडी राखिके खाना पकाबु ।

५. 𑒋 (ए), 𑒌/𑒋𑒺 (ऐ) अक्षर आ चित्र सवमे रङ भरु ।

𑒋

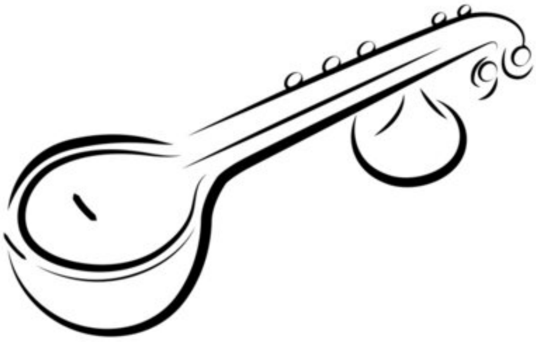

𑒌

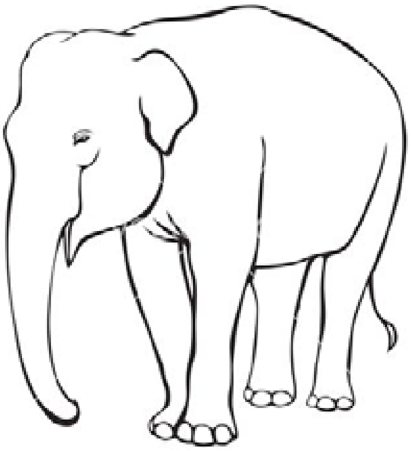

६. "𑒋" (ए) आ "𑒌/𑒋𑒺" (ऐ) लिखल अक्षरकँ ओहिना जँका लिखुँ ।

𑒋 𑒋 𑒋 𑒋

𑒌 𑒌 𑒌 𑒌

७. सुन्नु आ ও/শ্বা (ओ), ঔ/শ্বৌ (औ) अक्षरमे गोल ◯ घेरा लगाबु ।

ওখব	ও	ঔষাধী
ওদান	ঔ	ঔসত
ওখন		ঔজাব
		ঔত

८. लय मिलायके गाबुँ आ प्रश्न सवके उत्तर दियों ।

শ্বাদোনমে কসৌডী বাখিকে খানা পকাবুঁ ।
শ্বাখেব খাযকে শবীবকঁ স্বস্থ্য রঁনাবুঁ ।
জডিবুঁটী সর মিনাযকে শ্বৌষাধী (দরাঈ) রঁনাবুঁ ।
শ্বৌজাব সর প্যাগে কঁ্য গাডিকে ঈন্জিন ঠিক ঠাক রঁনাবুঁ ।

चुल्हा पर हन्डी लोहिया राइखके खाना बनाबु ।
फलफुल खाइके देहके स्वस्थ्य बनाबु ।
जडिबुटी सव मिलाइके दवाई बनाबु ।
औजार सव ल्याके गारिके इन्जिन बनाबु ।

क. खाना कथिमें बनाबई छै ?
ख. कथि खइलासँ शरिर स्वस्थ्य रहे छै ?
ग. कथि बनावेल जडिबुटिके जरूरी परेत छै ?
घ. इन्जिन बिगरला पर कथि सँ ठिक करैत छै ?

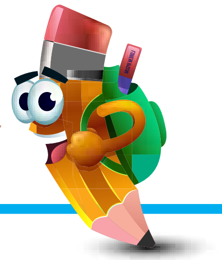

९. जहिना कँ तहिना जेका सारु (लिखु)

𑒋 𑒋 𑒋 𑒋

𑒌 𑒌 𑒌 𑒌

१०. "𑒁𑓀" (अं) लागल शब्दसव सुनु आ कहुँ ।

𑒁𑓀𑒬, 𑒁𑓀𑒬𑒳, 𑒁𑓀𑒬𑒳𑒫𑒩𑓂𑒧𑒰, 𑒁𑓀𑒬𑒳𑒧𑒰𑒪𑒰, 𑒁𑓀𑒬𑒳𑒧𑒢

अंश, अंशु, अंशुवर्मा, अंशुमाला, अंशुमन

११. जहिना कँ तहिना जकाँ सारु ।

𑒁𑓀 𑒁𑓀 𑒁𑓀 𑒁𑓀

𑒁𑓁 𑒁𑓁 𑒁𑓁 𑒁𑓁

१२. बुन्का बुन्का जोडिकँ चित्र बनाकँ रङ भरु ।

आन्तरिक मूल्याङ्कन

देल गेल निर्देशन बमोजिम काज करु ।

१. तस्बिर देखकँ नाम कहु ।

$\frac{१}{४}$

२. पढिके सुनाबु ।

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ, अं, अः

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ, अं, अः

३. पढ़ुँ आ लिखु ।

𑒂𑒥𑒳	𑒂𑒃𑒨𑒹	𑒂𑒈	𑒂𑒖𑒳𑒏	𑒁𑓀𑒬
आबु	आइये	आऊ	आजुक	अंश

४. चित्र देखक उत्तर कहुँ ।

क. चित्रमे कतेक गो नर्स छै ?

ख. नर्स बिमारी सबके कथि खियावैत छै ?

ग. विमारी सबके नितदिन स्याहारसुसार के करेत छै ?

५. जोडा मिलाबु ।

𑒂	𑒳	𑒃	𑒹
𑒄	𑒲	𑒋	𑒺
𑒆	𑒰	𑒍	𑒼
𑒅	𑒱	𑒌	𑒴

६. पढुँ आ ओहिना जँका लिखुँ ।

अ .... आ .... इ ....

ई .... उ .... ऊ ....

ऋ .... ए .... ऐ ....

ओ .... औ .... अं ....

अः ....

७. “अ” (अ) सँ लकँ “अः” (अः) अक्षर सव लिखुँ ।

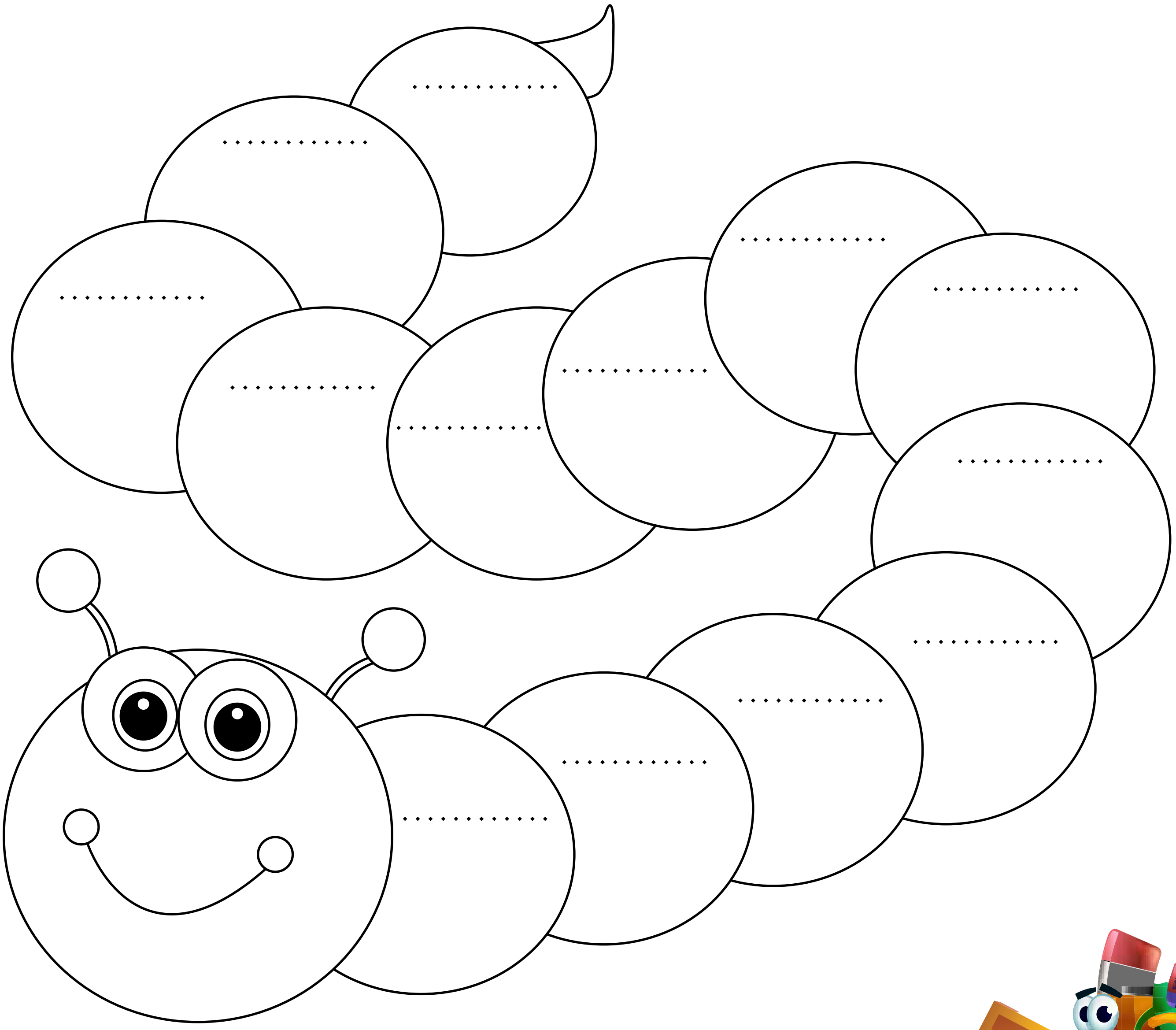

पाठ ४ हमर मैथिली भाषाकेमात्रा

मात्राहरु : 𑒁 (𑒰) 𑒃 (𑒱) 𑒄 (𑒲) 𑒅 (𑒳) 𑒆 (𑒴) 𑒇 (𑒵)
𑒋 (𑒹) 𑒌 (𑒻) 𑒍/𑒁𑒼 (𑒼) 𑒎/𑒁𑒾 (𑒾) 𑒁𑓀 (𑓀) 𑒁𑓁 (𑓁)

मात्राहरु : अ (ा) इ (ि) ई (ी) उ (ु) ऊ (ू) ऋ (ृ)
ए (े) ऐ (ै) ओ (ो) औ (ौ) अं (ं) अः (ः)

१. सुन्नु आ लय मिलाएके गाबु ।

𑒥𑒰𑒥𑒳 𑒏𑒩𑒹𑒞 𑒕𑒻 𑒠𑒳𑒂𑒩 𑒣𑒩 𑒒𑒳𑒩।
𑒁𑒼𑒃𑒮 𑒯𑒰𑒋𑒞 𑒒𑒩 𑒂𑒿𑒑𑒢 𑒏𑒹 𑒧𑒔𑓂𑒔𑒩 𑒠𑒳𑒩।
𑒠𑒱𑒠𑒱 𑒢𑒑𑒰𑒩𑒞𑒹 𑒕𑒻 𑒢𑒟𑒱𑒨𑒰।
𑒯𑒧𑒩 𑒁𑒣𑒢 𑒧𑒰𑒿 𑒏𑒹 𑒣𑒢𑓂𑒔𑒴 𑒠 𑒏𑒹 𑒯𑒧 𑒏𑒥𑒹𑒕𑒱 𑒧𑒢 𑒦𑒥𑒱 𑒏𑒹 𑒧𑒰𑒨𑒰।

बाबु करेत छै, दुआर पर घुर ।
ओईस होइत छै, घर आँगन के मच्चर दुर ।
हमर दिदि लगावेत छै नथिया ।
माय हमर अपन माथ पर रखेय ढकिया ।

२. चित्र देख कँ नाम कहुँ ।

३. सुनु आ मात्रा लागल शब्दसव कहुँ ।

একঠা গাম কে লডকাসব বঁকবী চবাবেঁলে জাওত ছুল। ভুজা, মুবিহী, বাঠী স্বা বঁগিযা লকঁ্য জাওত ছুল স্বা জলখেঁ খাওত ছুল। একগো বৌবা স্বা স্বপল বঁগিযা এক দিল মাওট মে গাব দলেক। দোসব দিল স্বো বঁঢকা গাছ্ছ ভ্য গলে। স্বোই দিলকঁ্য বাঁদ সব কোই কঁ্য বঁগিযা খাযক পাবলক। স্বা স্বোই দিল কঁ্য বাঁদ হলুকা সবঁ কঁ্য লাস্তা খাযকে ললে দখু কহিযো লঁই ভলে। কৌসল কহিযোঁ কাল কঁশ বাক্ষাসকঁ্য কথা (খিসা) কইত ছুল। সবঁ দিল সবঁ কোই পালৈ লকা লকা কঁ খিসা কইত ছুল স্বা খলে খলৈতে বঁকবী চবাবৈত ছুল।

एकटा गाम के लडका सव बकरी चराबेल सबदिन जाइत छेलें। ओ सब जलखेंमे भुजा, मुरिही, रोटी आ बगिया लक जाइत छलें आ भुक लगला पर खाइत छलें। एकगो बौवा उ अपन बगिया नई खायकें, एक दिन माइट मे गाइर देलक। दोसर दिन ओ बढका गाछ भ५ गलें। ओई दिनके बाद सब कोई सबदिन बगिया खायक लेल पावलक। आ ओई दिन के बाद ओकरा सब क५ नास्ता खायके लेल कहियो दिकत नई भेल। कौसल कहियों काल कँश राक्षसके खिसा कहैत छलें। सब दिन सब कोई पालै-पालो लगा लगा के खिसा कहेत छलें आ खेल खेलैत बकरी चरावेत छलें।

४. नाम आ चित्र बिच मिललबालाके जोडा मिलाबु ।

भात	
करेला	
कुत्ता	
मौध माछी	

५. सुनु आ उत्तर कहुँ ।

रँडका दिदि हणडी मे भात पकैनक । नौहिया मे तीमन पाकन । दिदि भाज के भात खौुनकिन । भाजया रहतु निक जँका स्वाद न नकै खाना खयनक । ओ कहनक, “खाना रहतु निमन छओ, धन्यबाद दिदि ।”

बरकी दिदि हण्डी में भात पकेल कई आ लौहिया मे तरकारी तीमन पकैलके । दिदि अपन छोट भाइ क भात खियेल कई । भाइ बहुत निक आ आनन्द ल के खाना खेयलकैं । आ अपन दिदि सँ कहलकें, “आई के खाना बहुते बढिया आ मन परलें, धन्यबाद दिदि ।”

क. भात के पकेल कई ?
ख. तरकारी कथि मे पकेल कई ?
ग. खाना केहेन छेलें ?
घ. भाइ उ अपन दिदि के अन्त्य मे कि कहल कई ?

६. नई मिलल चित्रमे टिक क चिन्ह लगाबुँ ।

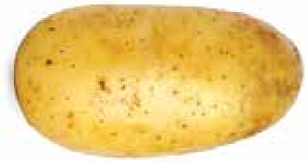

७. चित्र चिन्हुँ आ अधुरा मात्रा अपना सँ थपुँ आ पुरा करु ।

कोदा....र

जात.....

....करा

चाल...

मतक...

८. आकार लाग्ल आ आकारक चिन्ह बीच जोडा मिलाबु ।

का	ी	कि	ा(
की	ा	के	ो
कु	(	कौ	ि
कू	ु	का(	े
क(	ू		

९. बुन्का सवमे रेखा (तिर) तानु आ ओहना जकाँ रङ भरु ।

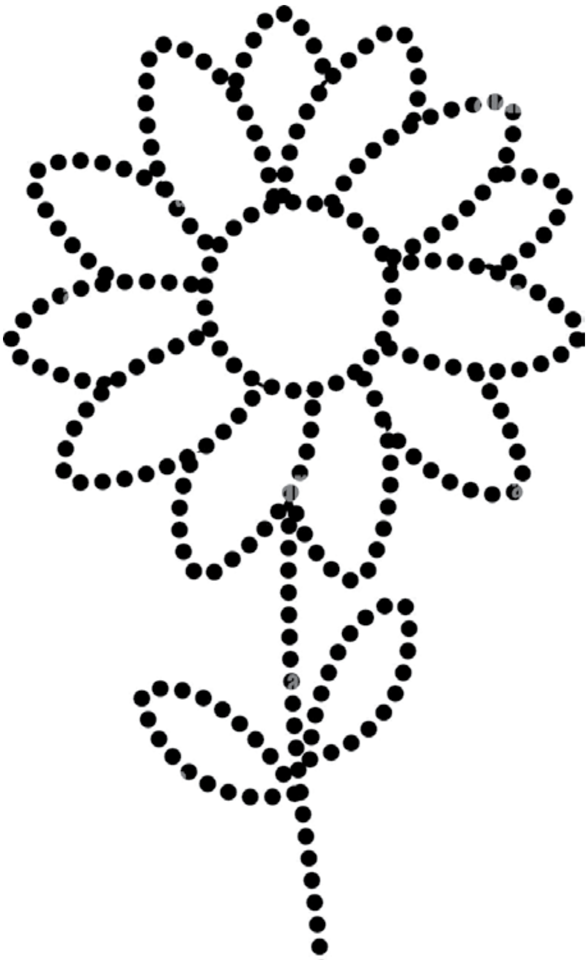

आन्तरिक मूल्याङ्कन

देल गेल निर्देशन बमोजिम काज करु ।

पाठ ४ के विषयवस्तु सबके समावेश कैर के शिक्षक अपने सँ ५ टा प्रश्न सब बना के विद्यार्थी सबके आन्तरिक मुल्याङकन करैल पडतै । आन्तरिक मुल्याङकन करैत काल पाठके उद्देश्यसब प्राप्ती भेल कि नाई तकर लेखाजोखा हई जैका प्रश्नसब आ क्रियाकलाप सब तयार करब ।

चित्रके नाम कहुँ आ बतचित करु ।

पाठ ५ ब्यन्जन वर्ण चिनारी

१. आउ मिथिला अक्षर चिन्हु ।
व्यन्जन वर्णके तिरहुता लिपी आ देवनागरी सहित ।

𑒏	𑒐	𑒑	𑒒	𑒓
क	ख	ग	घ	ङ
𑒔	𑒕	𑒖	𑒗 / 𑒗	𑒘
च	छ	ज	झ	ञ
𑒙	𑒚	𑒛	𑒜	𑒝
ट	ठ	ड	ढ	ण
𑒞	𑒟	𑒠	𑒡	𑒢
त	थ	द	ध	न
𑒣	𑒤 / 𑒤	𑒥	𑒦	𑒧
प	फ	ब	भ	म
𑒨	𑒩	𑒪	𑒫	𑒬
य	र	ल	व	श
𑒭	𑒮	𑒯	𑒏𑓂𑒭	𑒞𑓂𑒩
ष	स	ह	क्ष	त्र
		𑒖𑓂𑒘		
		ज्ञ		

२. सुनु आ लय मिलाके गाबुँ ।

𑒏. 𑒏𑒧𑒪 𑒤𑒴𑒪 𑒯𑒼𑒨𑒞 𑒨 𑒥𑒯𑒳𑒞𑒾 𑒩𑒓 ।
𑒐. 𑒐𑒩𑒱𑒨𑒰 𑒒𑒰𑒿𑒮 𑒐𑒰𑒨𑒏𑒹 𑒣𑒩𑒻𑒨 𑒁𑒣𑒢𑒹 𑒠𑒓𑓂𑒓
𑒑. 𑒑𑒩𑓂𑒧𑒲 𑒏𑒹 𑒧𑒾𑒮𑒧 𑒧𑒹 𑒕𑒯𑒰𑒿𑒨𑒩 𑒥𑒢𑒻𑒨 𑒣𑒪𑒓 ।
𑒒. 𑒒𑒩 𑒧𑒻 𑒥𑒻𑒚𑒪𑒰 𑒮𑒿 𑒪𑒰𑒫𑒻𑒞 𑒕𑒃 𑒅𑒧𑒓 (𑒐𑒳𑒮𑒲) ।

क. कमल फूल होयत य बहुतौ रङ ।
ख. खरिया घाँस खायके परैय अपने दङ्ङ
ग. गर्मी के मौसम मे छहाँयर बनैय पलङ ।
घ. घर मै बैठला सँ लावैत छई उमङ (खुसी) ।

३. चित्र देखकँ नाम कहुँ आ ओही नामकँ पहिका अक्षर लिखुँ ।

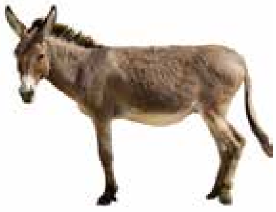

४. निचाँ लिखले जँका खाली ठाम मै बाह्रखरी लिखुँ ।

क	का					

५. कथा सुनुं आ “ङ” (ङ) सँ लक “ज” (ज) तक कँ अक्षर सवमे गोल घेरा लगाबु ।

𑒥𑒾𑒑𑒪𑒰 𑒔𑒱𑒩𑒹 𑒕𑒯𑒰𑒃𑒩𑒧𑒹 𑒣𑒪𑒓 𑒏𑒹 𑒢𑒱𑒔𑒰𑓀 𑒮𑒳𑒞𑒪 𑒋𑒏𑒑𑒼 𑒪𑒼𑒑 𑒏 𑒠𑒹𑒐𑒪𑒏𑓀। 𑒑𑒰𑒕 𑒏𑓀 𑒋𑒏𑒑𑒼 𑒖𑒻𑒩 𑒖𑒧𑒱𑒢 𑒮𑓀 𑒥𑒰𑒯𑒩 𑒌𑒨𑒪 𑒕𑒪। 𑒌𑒯𑒼 𑒖𑒻𑒩 𑒏 𑒇𑒣𑒩 𑒥𑒾𑒑𑒪𑒰 𑒥𑒻𑒚𑒪। 𑒔𑒱𑒩𑒹 𑒮𑒥 “𑒓𑒨𑒰𑒩 𑒓𑒨𑒰𑒩” 𑒏𑒩𑒻𑒞 𑒩𑒯𑒪 𑒠𑒵𑒭𑒨 𑒋𑒏𑒑𑒼 𑒥𑒱𑒪𑒰𑒆 𑒠𑒹𑒐𑒪𑒏। 𑒅 𑒥𑒾𑒑𑒪𑒰 𑒥𑒱𑒪𑒰𑒆 𑒏𑓀 𑒁𑒣𑒢 𑒮𑒰𑒟𑒲 𑒥𑒢𑒾𑓀 𑒪𑒏।

बौगला चिरे छहाइर मे पलङ के निचाँ सुतल एकगो लोग क देखलक । गाछ कऽ एकगो जइर जमिन सँ बाहार ऐल छेले । वैहा जइर पर बौगला बैठल छेलैं । चिरैं सव ‘ङयार ङयार’ करैत रहल दृष्य एकगो बिलाई देखल कई । उ बौगला बिलाई के अपन साथी बनेल कई ।

६. निचा मे लिखले जँका लिखु ।

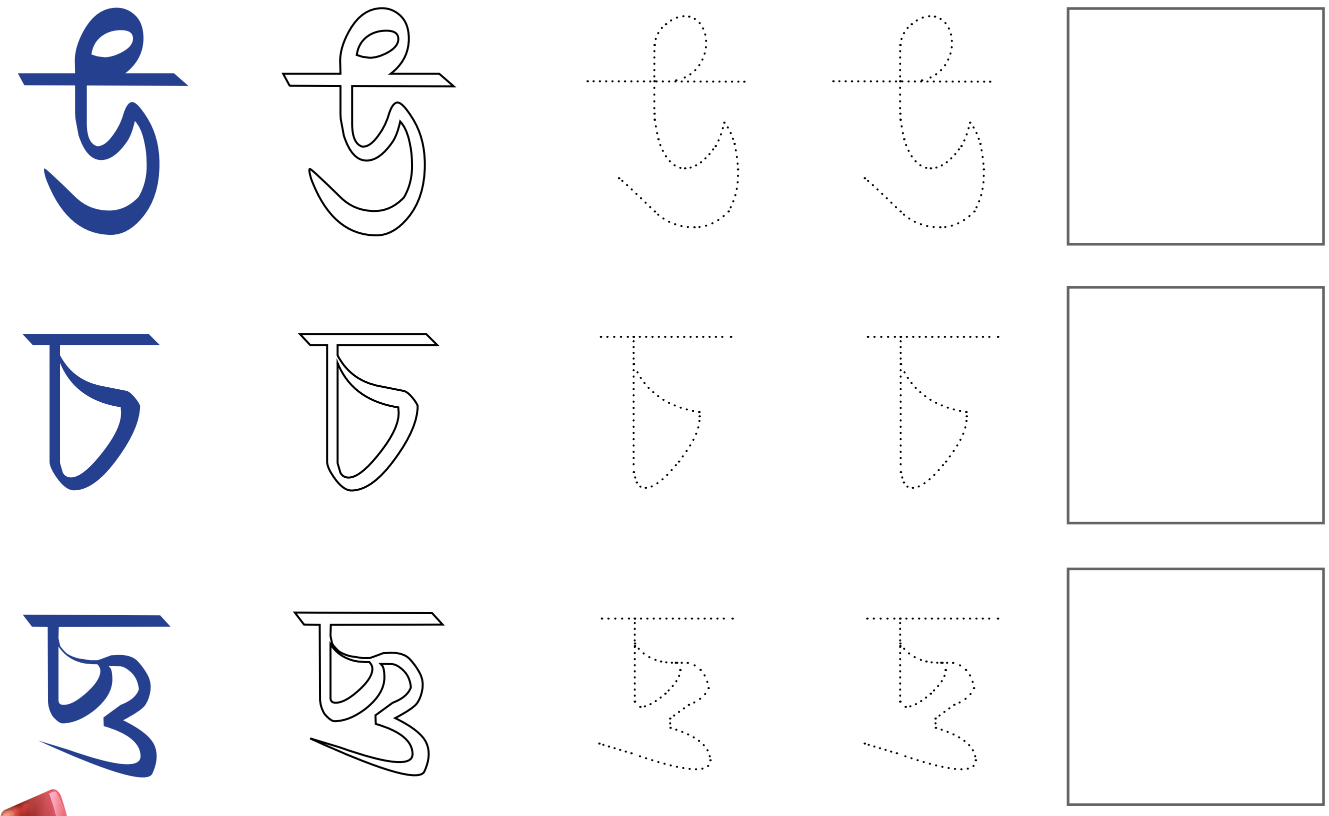

ङ ङ

७. “च” (च) आ “ज” (ज) मात्रा अगाढि राखु ।

च ा ि ी

ु ू

ज - े ं ः

८. 𑒕/𑒖𑓂𑒕 (झ), 𑒖𑒰 (ञ), 𑒗 (ट), 𑒘 (ठ) अक्षर सबँ ओहिना जकाँ लिखुँ ।

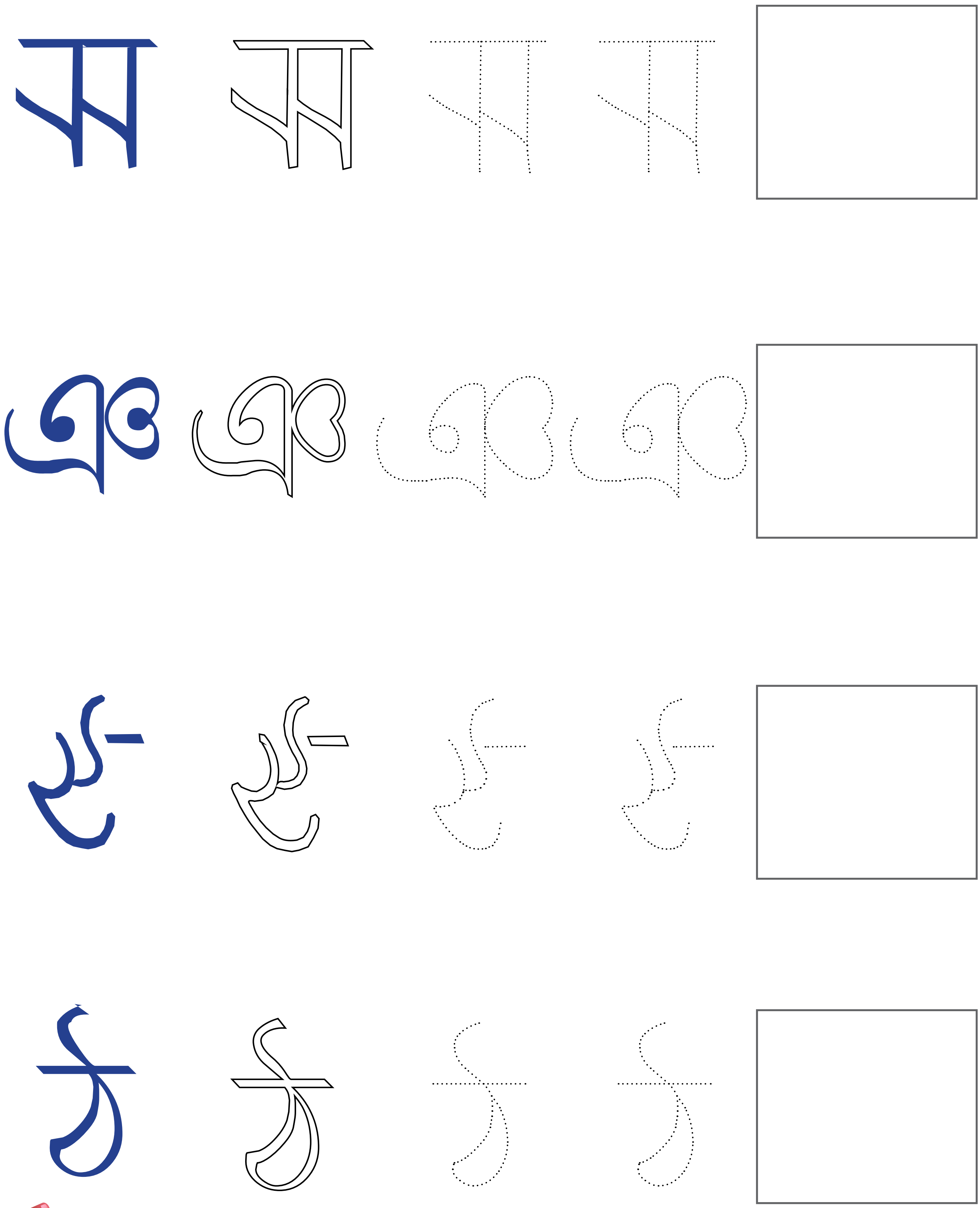

९. ঝ/ঞ (झ), ঞ (ञ), ট (ट), ঠ (ठ) अक्षरसँव मे मात्रै गोल घेरा ○ लगाबु ।

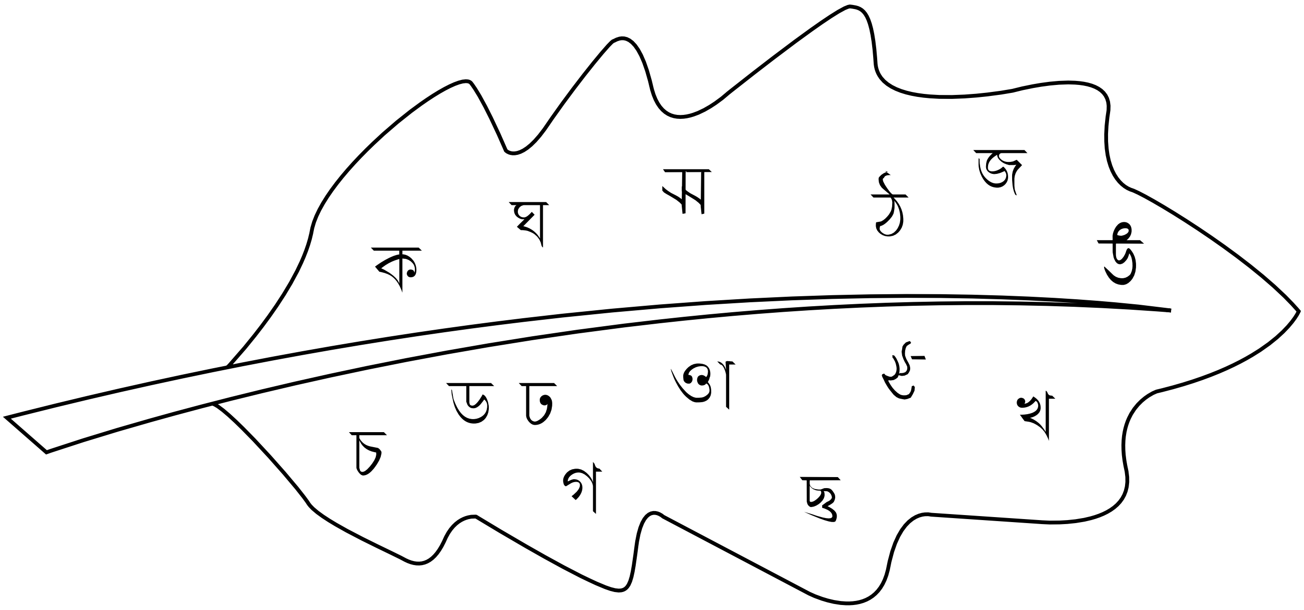

१०. कछुवाकें आकारमें ক, খ, গ, ঘ, ঙ, চ, ছ, জ, ঝ, ও, ট, ঠ, ক৲ अक्षरकँ बुन्का जोडिके चित्र राखु ।

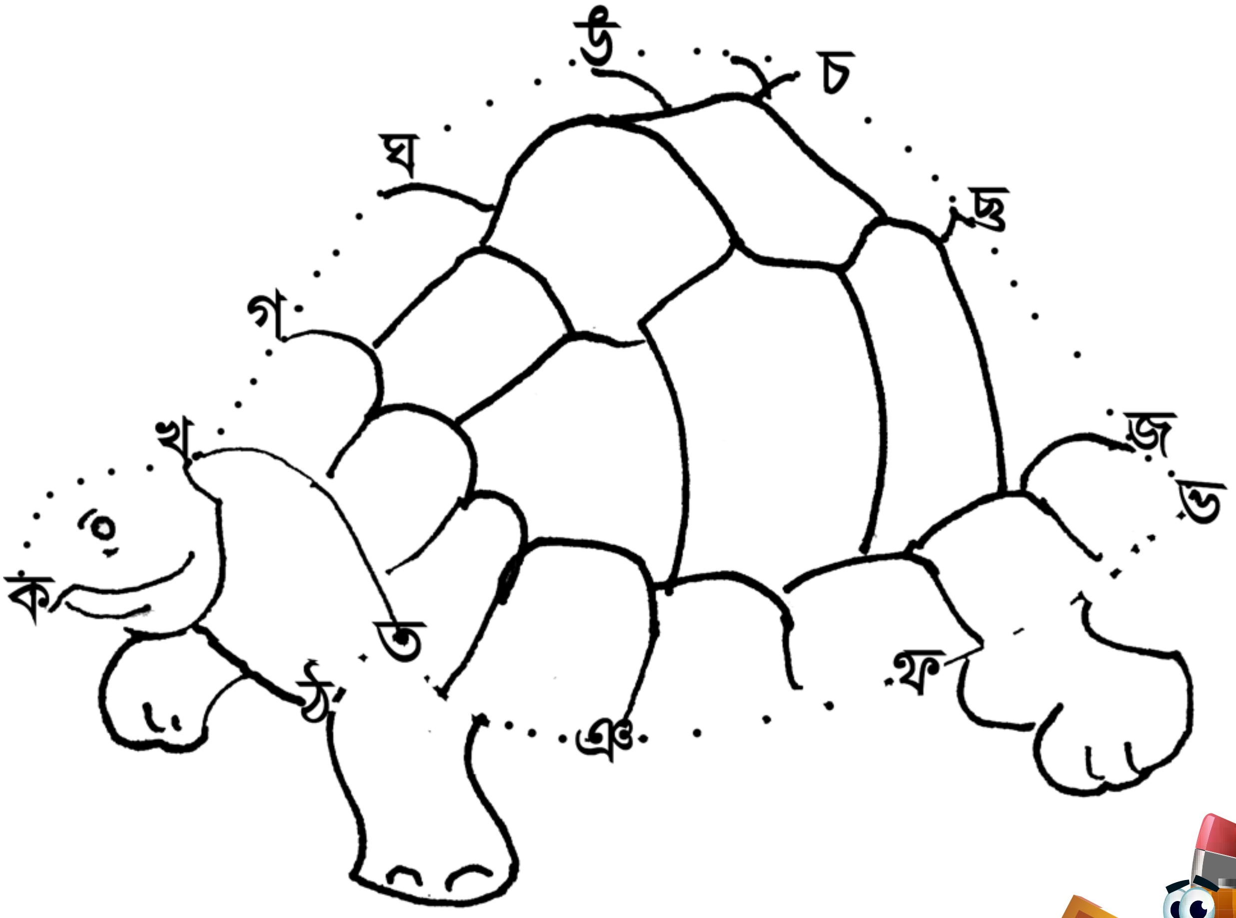

११. 𑒙 (ड), 𑒛 (ढ), 𑒝 (ण), 𑒞 (त) अक्षर लागल शब्द सबँ कहुँ ।

𑒩𑒰𑒧 𑒬𑓀𑒏𑒩 𑒙𑒧𑒩𑒳 𑒥𑒖𑒰𑒏𑒻 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒩𑓂𑒟𑒲 𑒮𑒥𑒏𑒹 𑒣𑒜𑒥𑒻𑒞 𑒕𑒟𑒱। 𑒫𑒱𑒠𑓂𑒨𑒰𑒩𑓂𑒟𑒲 𑒮𑒥 𑒞𑒱𑒩 (𑒥𑒰𑒝) 𑒡𑒢𑒳𑒭 𑒥𑒢𑒰𑒏𑓁 𑒐𑒹𑒪 𑒐𑒹𑒪𑒹𑒞𑒹 𑒕𑒟𑒱। 𑒌 𑒢𑒱𑒏 𑒖𑓁𑒏𑒰 𑒤𑒳𑒪𑒪 𑒤𑒳𑒪 𑒮𑒥𑒏𑒻 𑒯𑒰𑒞 𑒮𑓀 𑒢𑒇 𑒕𑒳𑒥𑒻𑒞 𑒕𑒟𑒱।

राम शंकर डमरू बजाके बजाके विद्यार्थी सबके पढबैत रहे छै। विद्यार्थी सब तिर धनुष बनाय बनाय के खेल खेलेत रहै छै। ओ निक जेका फुलल फुल सबके हात स६ नई छुवैत छै।

१२. जहिना के तहिना जँका लिखु ।

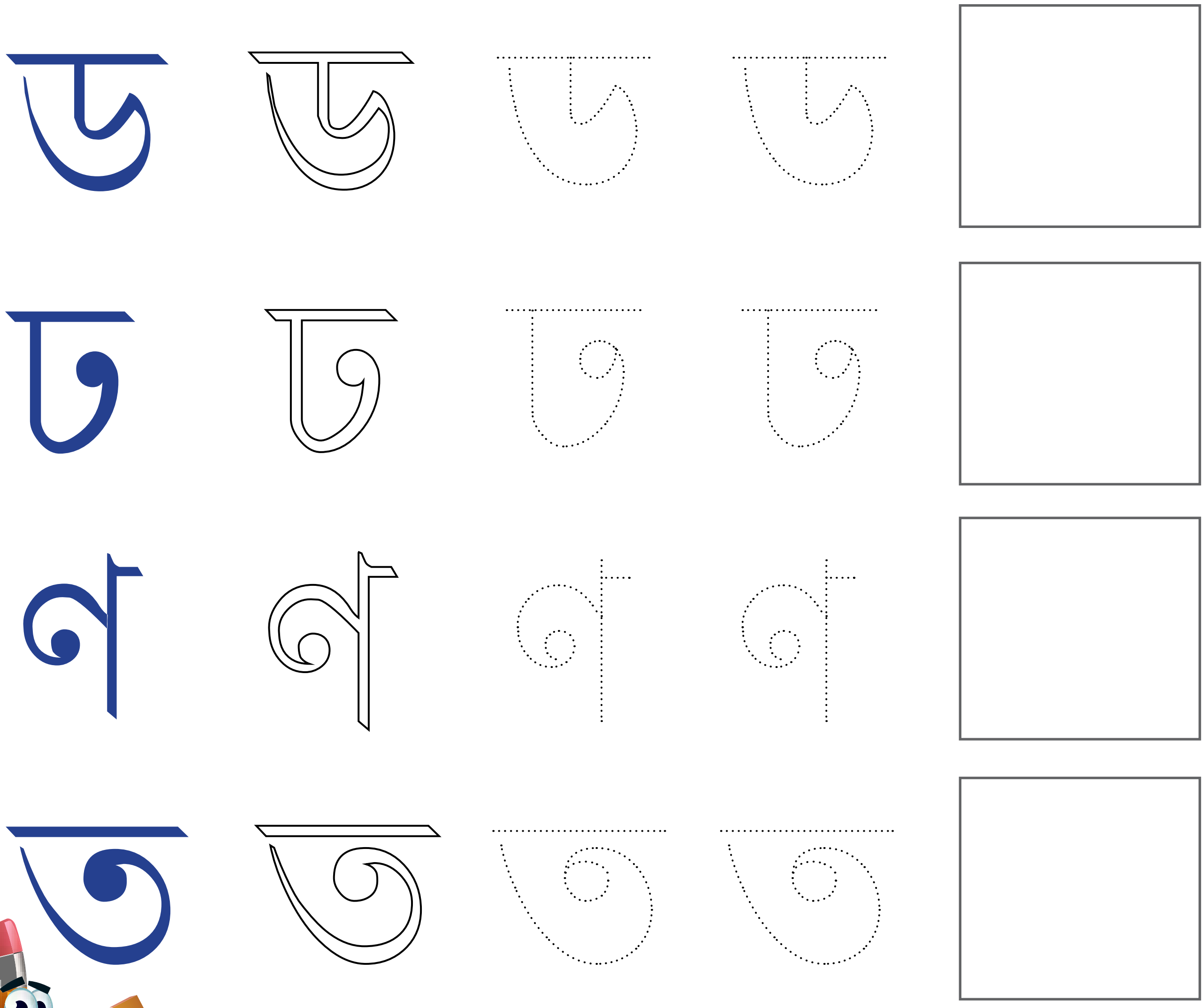

१३. थ (थ), द (द), ध (ध), न (न) अक्षर सव पढुँ ।

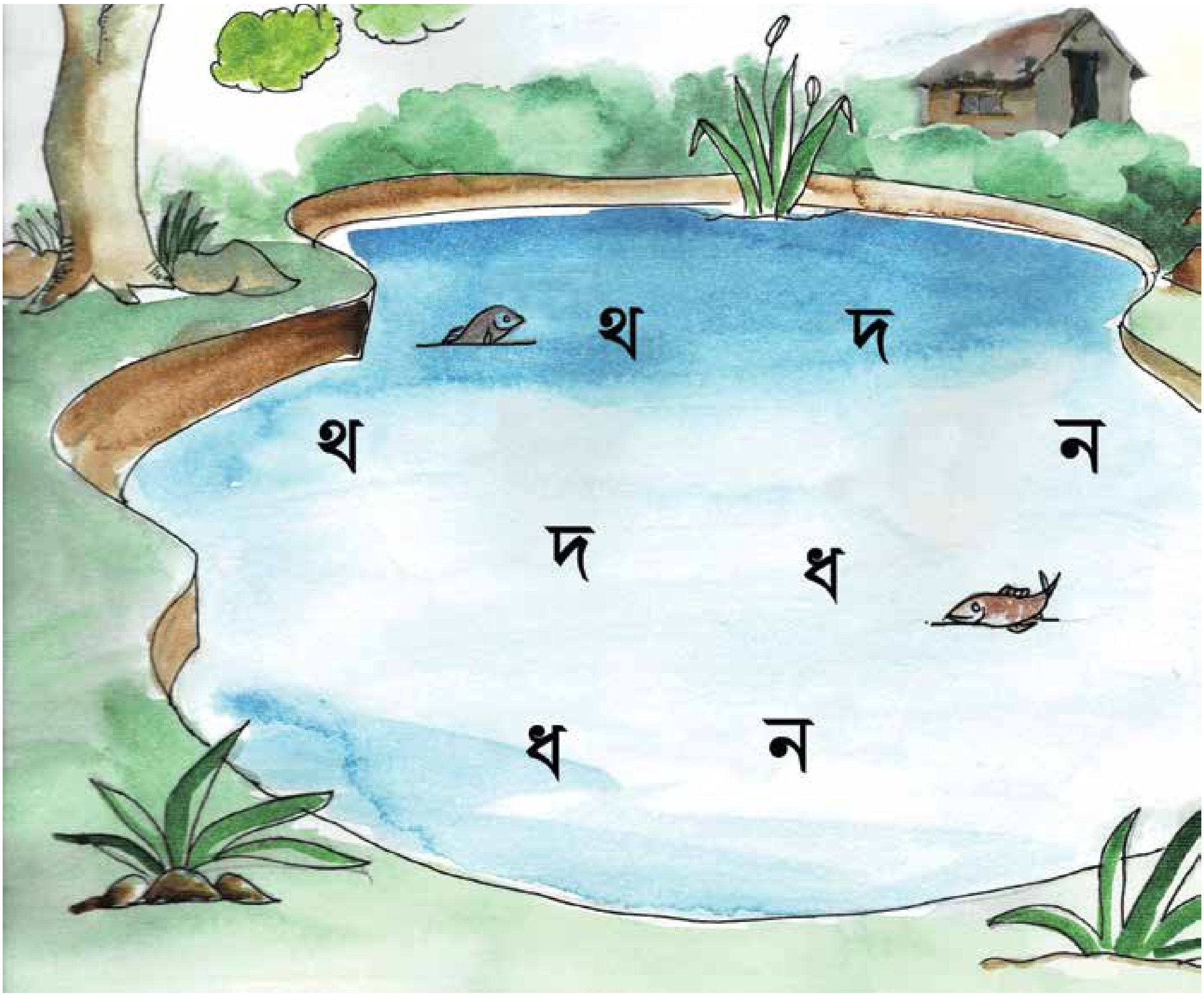

१४. बुन्का बुन्का सव विच रेखा (तिर) ताइनके अक्षर बनाबु

थ थ थ थ

द द द द

ধ ধ ধ ধ

ন ন ন ন

१५. बुन्का सव विच रेखा (तिर) तानुँ ।

ধ	ধা					

१६. প (प), ফ (फ), ৰ (ब), ভ (भ) अक्षर सवमे गोल घेरा ◯ लगाबु ।

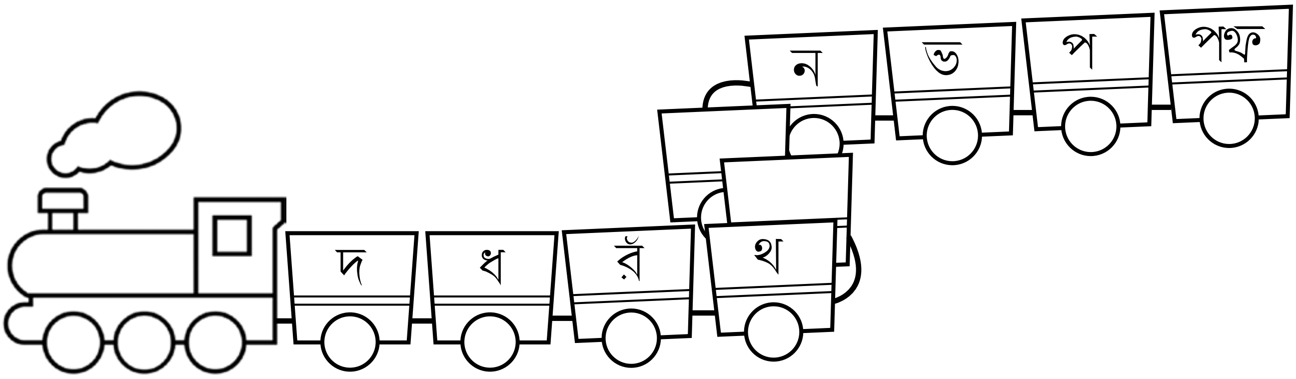

१७. 𑒧 (म), 𑒨 (य), 𑒩 (र), 𑒪 (ल) अक्षर सव के चिन्हु आ ओ शब्द सव कहुँ ।

𑒧𑒨𑒴𑒩 𑒏𑒱𑒩𑒰 𑒧𑒏𑒾𑒩𑒰 𑒐𑒰𑒨𑒞 𑒕𑒻। 𑒍𑒏𑒩 𑒣𑓀𑒐 𑒩𑓀𑒑𑒲-𑒥𑒱𑒩𑓀𑒑𑒲 𑒯𑒰𑒨𑒹𑒞 𑒕𑒻। 𑒯𑒧 𑒧𑒨𑒴𑒩𑒏𑒹 𑒪𑒮𑒳𑒢 𑒠𑒨 𑒔𑒲 𑒂 𑒍 𑒯𑒧𑒩𑒰 𑒩𑓀𑒑𑒲-𑒥𑒱𑒩𑓀𑒑𑒲 𑒣𑓀𑒐 𑒠𑒨𑒹𑒞 𑒕𑒻।

मयुर किरा मकौरा खायत छै। ओकर पंख/डेन रंगी-बिरंगी हई छै। हम मयुरके खायल लसुन दय ची आ ओ हमरा रङ्गी-बिरङ्गी पंख/डेन दईत छै।

१८. बुन्का बुन्का सव विच रेखा (तिर) तानिके अक्षर बनाबु

𑒧 𑒧 𑒧 𑒧

𑒨 𑒨 𑒨 𑒨

𑒩 𑒩 𑒩 𑒩

𑒪 𑒪 𑒪 𑒪

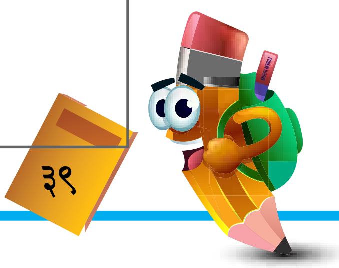

१९. चित्र देखु आ ओहिना जँका बनाबु ।

२०. चित्र देखक नाम कहुँ ।

२१. ओहिना जँका लिखु ।

র র র র

শ শ শ শ

ষ ষ ষ ষ

স স স স

२२. হ (ह), ক্ষা (क्ष), ত্র (त्र), জ্ঞ (ज्ञ) अक्षरमे गोल घेरा लगाबुँ ।

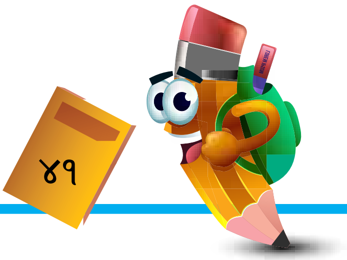

२३. "𑒖𑓂𑒘" (ज्ञ) कँ बाह्रखरी लिखु ।

𑒖𑓂𑒘 𑒖𑓂𑒘𑒰

आन्तरिक मूल्याङ्कन

देल गेल निर्देशन बमोजिम काज करु ।

क. शब्द पढिके सुनाबु ।

कौवा, खोला, नदि, गौरी, घैला, नङ, चौक, छाता, जिरा, झिलिया, पञ्जा, टिका, ठीक, डमरू, ढिका, बाण, तिर, तित, फलफुल, बिंडी, भिड, मिठाई, दिया, रीता, खोकी, वकिल, सिल, पोषण, सुन्तला, आम, गोबर, घास, बरद, भैंस, बकरी, घर, दुआर

ख. वर्ण छुट्याके लिखु ।

𑒖𑒹𑒢𑒰 → 𑒖𑒹 | 𑒢𑒰

𑒯𑒵𑒠𑒨

𑒏𑓂𑒭𑒰𑒞𑓂𑒩𑒼

𑒞𑓂𑒩𑒱𑒬𑒴𑒪

𑒖𑓂𑒘𑒰𑒢𑒲

ग. मात्राके थैप के शब्द बनाबु ।

𑒖𑒮𑓂𑒞𑒻 : 𑒏 + 𑒰 + 𑒑 = 𑒏𑒰𑒑

𑒑 + 𑒲 + 𑒞 =   𑒱 + 𑒖𑒫 + 𑒰 =

क + ि + व + ा = ☐ प + व + ी = ☐

च + ौ + ध = ☐ द + ा + जु = ☐

घ. चित्र देखकँ पाँचटा सरल (सादा) वाक्य कहुँ ।

ङ. उत्तर दिऔं ।

सिरूवा/जूडशीतल पर्व

मिथिला समुदायमे लवका साल के बैशाख २ गते क दिन सिरूवा पावैन मनावेत छै। मिथिला समुदायमे अही बैशाख २ गते स लवका वर्षक सुरूवात हईत छै। अई पावैन में माय,बाबु आ बुरह (बढका) लोग सव ओ अपन स छोट छोट लोग सब के माथामें पाइन सहित शुभ आशिष द के मनावेत छै। बैशाख महिना सगैं तराई के क्षेत्रमे गरमी बढें ल लगेंत छै आ यी पाइन देलासँ किछ शितलता महसुस हइ छै। अई दिनके पावैन मे बहुत निक-निक शाकाहारी खाय बाला पकवान सब पकावेत छै जेना: दालभात, तरकारी, तरूवा, भुजुवा, झोरी, बरी, दहि चिनी, पापड सव पकाकै नातेदार सब सगँ खाइत आ खुवावेत छै। जुडशीतल पावैन बहुत बहुत हर्ष उल्लास खुशी खुशी स मनावेई वाला पावैन चियैं।

१. नेपालमे कोन समुदाय जुडशितल पावैन मनावैत छै ?

☐

२. जुडशितल पावैन कहिया मनाइत छै ?

३. पाइन गरमी के मौसम मे कि करेत छै ?

४. कथि कथि खायवाला चिज सव जुडशितल पावैन मे खायत छै ?

च. खाली ठाममें मिलेवाला शब्द सव भरु ।

क. .... मे दहि छई । (मटकौरी/टोपी) ।

ख. ....आबुँ । (लगमें / दुर)

ग. आइग.........। (तापु/खाऊँ)

छ. घ (घ) अक्षर सँ बनेवाला बाह्रखरी लिखु ।

घ						

ज. तस्बिरमे रङ भरु ।

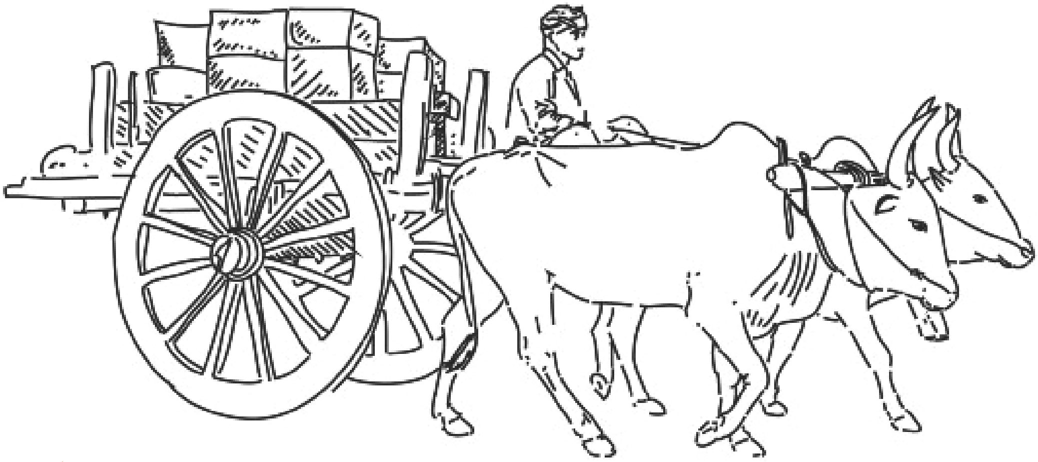

पाठ ६ शब्द निर्माण

१. सुनु आ लय मिलाइ के गाबु ।

गोल गोल घुमु -२, गीत कऽ सुइन के गोल गोल घुमू ।

झण्डा उठाबु-२, दुनु हातसँ पकेड के झण्डा उठाबु ॥

जलखैं खाऊ-२, हात कऽ धोईके मुरही खाऊ ।

कपरा लगाबु-२, निक स मिलाके कपडा लगाबु ॥

स्कुल जाऊ-२ किताब कापी ल के स्कुल जाऊ ॥।

२. सुनु आ शब्द सव कहुँ ।

बोदेबर्साइन नगरपालिका वार्ड नम्बर २ मे रहल दिनाभद्री मन्दिर लगभग ७०० वर्ष सें भी पुरान मन्दिर छै । यी मन्दिर मुसहर समुदायके विशेष तिर्थस्थल चियै । प्रत्येक वर्ष के चैत्र २५ गते कऽ दिन अई ठाम भव्य मेला सेहौं लागेत छै । पहलमान भैयारी दिनाराम आ दिनाभद्री गरीब सबहक उद्धार कऽ के बहुत बढिया काज केयनै छेलै । आई के दिन मे भी उ भैयारी सबहक निकँ काम-काजकै सम्झना करेत रहैत छै ।

३. मिलेवाला चित्र सब बिच जोडा मिलाबु ।

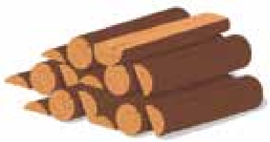

४. सुनु आ वाक्य कहैत वाक्य पुरा करु ।

(पत्थर, पाइन, माछ, सुख्खा, बाइढ, जरना गोइठा, खेत)

हमर गाम कऽ लगे दन खडक नदी बोहैत छै। अई नदीमे........................ बौहेत छै । अईमें बालुवा आ................ भी पावैत छै । बर्खाकें समयमें नदीमें ....पावैत छै। खडक नदी गर्मी मौषममें................ रहैत छै । बहुतौं पाइन परेत बखत नदीमैं ....आबैत छै ।

बाइर (बाढी) .... भसियाकें लाबैत छै । कहियोंकाल बाइर........................हमरा सबहक बारीमें सेहो आइब के हमरा सबके दुख: दैयत छै । अईसँ बचेके लेल नदीकें दुनु किनार बगलमें ईट्टा पत्थरकें दवाल बनावे परेत छै ।

५. चाइर गो चित्रमे रहल एकगो नई मिलेवाला चित्रमै टिक (✓) लगाबु ।

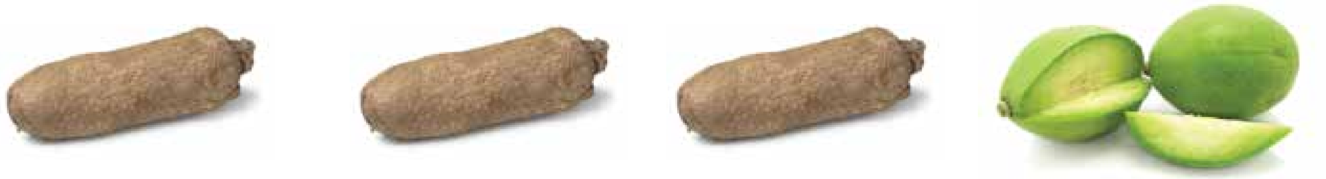

६. दुईगो अक्षर सँ बनल शब्द सव मात्रे लिखु ।

মহ, মহন, পনউঁ, জন, পহাড, তব, তবকাবী

.... + ... = ... + ... = ...

.... + ... = ... + ... = ...

७. बुन्का बुन्का सब मे रेखा (तिर) ताइनके ओहिने रङ भरु ।

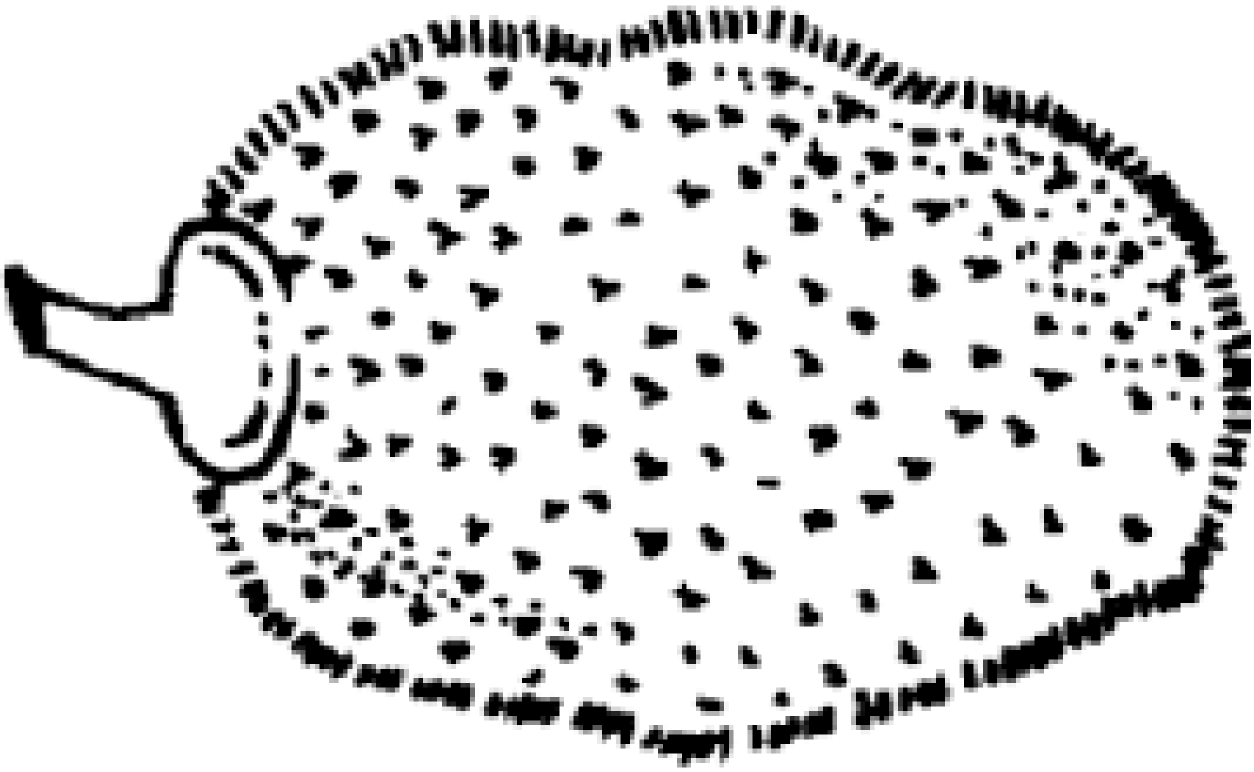

८. हमर खिस्सा ।

हमर गामकें नाम बोदेबर्साइन चियैं । हमर गाममे सब कोई लोग सब अपन अपन धियाँ पुताके बहुँत प्रेम करैत छै । हमरा सब के वर्ष भईरमे हई वाला सब पावैन सब उ अपन धियाँ पुता सब खातिर करैत छै । जुडशितल, सिरूवा पावैन, चौठचन पावैन, छैठ पावैन, दशमी, लक्ष्मीपुजा, सुकराइत पावैन आ होली पावैन सव आ और भि पावैन सब होयत हमरा सब के हई छै । हम सब गामघर मे सबकोई मिलजुइल के रहैत चियै ।

आन्तरिक मूल्याङ्कन

देल गेल निर्देशन बमोजिम काज करु ।

क्रियाकलाव सब पाठके उद्देश्य सब विद्यार्थीके सिकाई लेखाजोखा करू ।

१. अपन बारेमे ५ वाक्य कहु ।

   देना : हमर नाम .... । म .... मे रहेछे ।

२. ५ वाक्यमे आपन विद्यालयके बारेमे कहुँ ।

३. ६ स ८ वाक्यमे एक छोत कथा कहुँ ।

४. स्थानिय सम्पदाके चित्रमे ८ वाक्यमे वर्णन करे ।

५. आहाके मन पसन्द साथी सबके अनुहारके चित्र बनाइके ८ वाक्यमे लिखु ।

पाठ ७ स्थानिय गामठाममैं काम लागेवाला हिसाबके सिप सवऽ

१. ১ (१) सँ ১০ (१०) तकके धारणा दियवाला, रंग भरु आ लिखु ।

১ 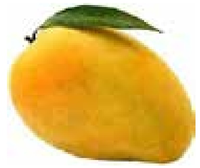 ১

২ ২

৩ ৩

৪ ৪

৫ ৫

৬ 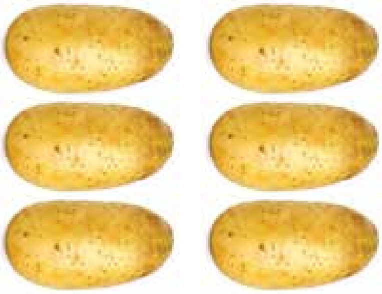 ৬

৭ 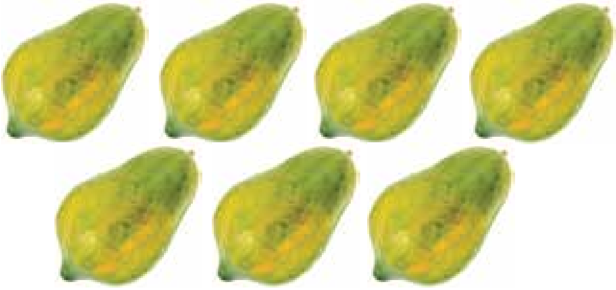 ৭

৮ ৮

৯ 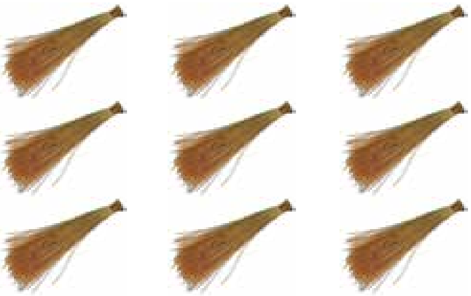 ৯

১০ 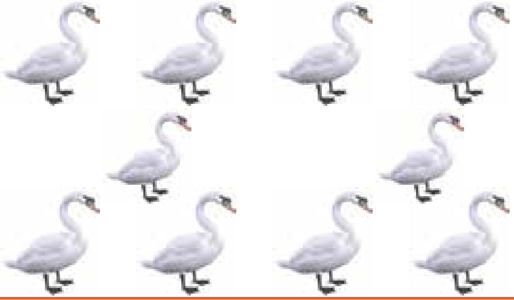 ১০

२. शिक्षकसँगैसँग कहुँ आ लिखुँ ।

एक डरहे	=	१ रूपैयाँ ५० पैंसा
दुई डरहे	=	३ रूपैयाँ ० पैंसा
तीन डरहे	=	४ रूपैयाँ ५० पैंसा
चार डरहे	=	६ रूपैयाँ ० पैंसा
पाँच डरहे	=	७ रूपैयाँ ५० पैंसा
छ डरहे	=	९ रूपैयाँ ० पैंसा
सात डरहे	=	१० रूपैयाँ ५० पैंसा

एक धमुचे	=	४ रूपैयाँ ५० पैंसा
दुई धमुचे	=	९ रूपैयाँ ० पैंसा
तीन धमुचे	=	१३ रूपैयाँ ५० पैंसा

एक हुठ	=	३ रूपैयाँ ५० पैंसा
दुई हुठ	=	७ रूपैयाँ ० पैंसा
तीन हुठे	=	१० रूपैयाँ ५० पैंसा

एक वीस = २० रूपैयाँ

दुई वीस = ४० रूपैयाँ

तीन वीस = ६० रूपैयाँ

चार वीस = ८० रूपैयाँ

पाँच वीस = १०० रूपैयाँ

जग्गा जमिन नापेवाला एकाई सव

नौ हात = १ लग्गी (१३ फिट ६ इन्च

५ लग्गी लम्बाई र ३ लग्गी = १५ धुर (पौने कठ्ठा)

नापतौल एकाई

१ पसेरी = ५ के. जी.

२ पसेरी = १० के. जी.

४ पसेरी = २० के. जी.

१ सेन = ८५० ग्राम

१ मन = ४० के. जी.

रमझम करूँ । (Tricks) (५ वटा)

२० गणनामें १ बीस, ४० गणनामें................. बीस

छोट उत्तर दियों ।

१. मैथिली समुदायमे नयाँ वर्ष/साल कहिया मनावैत छई ?

....

२. शत्रुघन सिंह प्रसाद यादव जी कँ शालिक कते छई ?

....

३. मानराजा गढी कोन वाड मे छई ?

....

४. तेतैरकँ स्वाद केहेन हेय छई ?

....

५. दिनाभद्री कँ मन्दिर कतहः छई ?

....

६. बोदेबर्साइनमे कतेक गो जाइतक लोगसव रहेत छई नाम लिजु ?

....

७. चित्रसबमे रहल संख्या गइनकँ बाकसमें अकं ठिक से लिखु ।

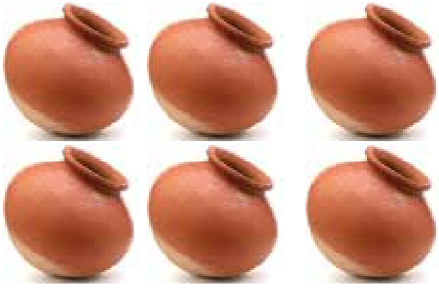

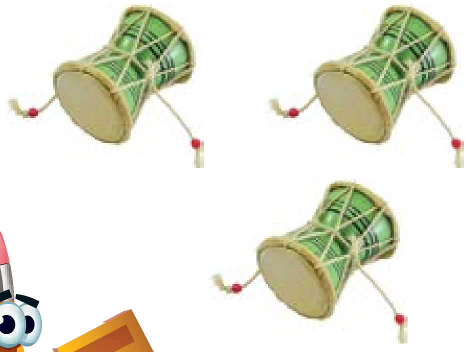

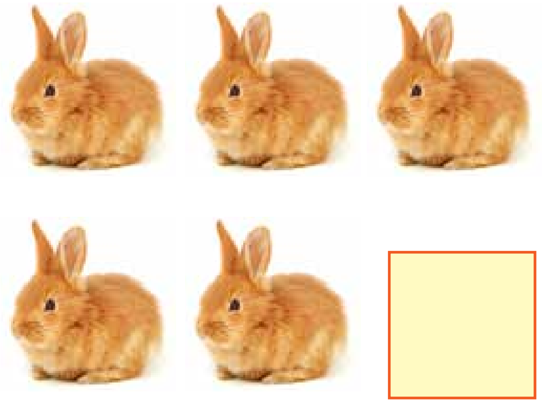

आन्तरिक मूल्याङ्कन

देल गेल निर्देशन बमोजिम काज करु ।

१. ठिक संख्या लिखु ।

२	४	३	

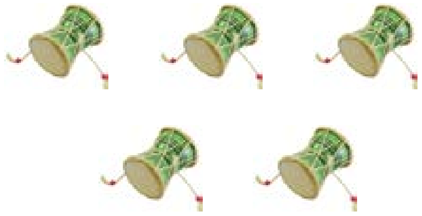

५	१	८	

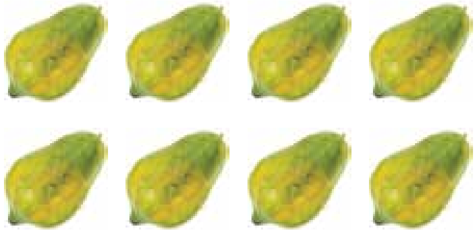

३	८	९	

२. खाली ठाउँमे लिखु ।

एक डरहे = १ रूपैयाँ ५० पैंसा

दुई डरहे = ...

तीन डरहे = ...

चार डरहे = ...

पाँच डरहे = ...

छ डरहे = ...

सात डरहे = ...

एकाई २

बोदेबर्साइन नगरपालिकाके परिचय

पाठ १ इतिहास, भौगोलिक आ राजनैतिक बिभाजन

१. निचामे रहल चित्रके उपर बातचित करु ।

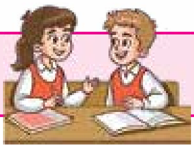

२. नक्साके विषयमे सुनु आ प्रश्नके उत्तर दियौं ।

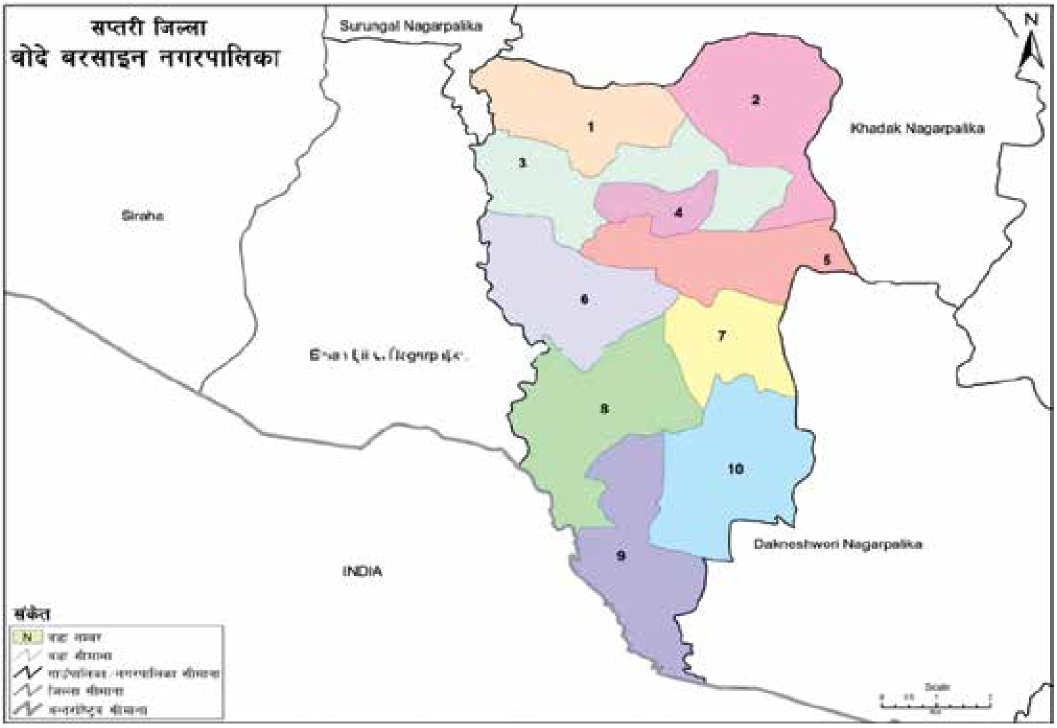

क. चित्रमें कि चियें ?

ख. आँहा के नगरपालिका कोन चियें ?

३. बोदेबर्साइन नगरपालिका कऽ कार्यालय घुमु आ कक्षामें ओही विषय पर गफसप करु ?

सप्तरी जिल्लाके स्थानिय तह सबकें ९ गोट नगरपालिका आ ९ गोट गाउँपालिकामें विभाजन कइने छै । अई मे बोदेबर्साइन नगरपालिकाके साविकके बोदे बरसाईन, फुलकाही, मानराजा, खडगपुर, काचन, देउरी, सारस्वर, धनगढी (१ सँ ८ नम्बर वडा) आ नेगडा गाविस सबके मिलायके यी नगरपालिका बनल छै। अई नगरपालिकामे जम्मा १० गोट वडा सब छै । अई पालिकाकें नगरप्रमुखके नाम श्री आतेश कुमार सिंह चियैं आ नगर उपप्रमूखके नाम श्री रेणु कुमारी साह चियै। अई नगरपालिकाके केन्द्र कार्यालय बोदेबर्साइन बजारमे छै। अई नगरपालिका के पडोसी पालिका सब सुरूङ्गा नगरपालिका, खडक नगरपालिका, डाँक्नेश्वरी नगरपालिका आ बलान विहुल गाँउपालिका सब चियै ।

निचा देलगेल प्रश्नके आधारमे अपन नगरपालिकाके विषयमे छलफल करुँ ।

क. आहाँके पालिकामे कतेक गोट वडा सब छै ?
ख. आहाँ के घर कोन वडा मे पडैत छै ?
ग. आहाँके टोल गामके नाम कथि चियै ?
घ. आहाँ के विद्यालय कोन वडा आ गाममें पडैत छै ?
ङ. आहाँके नगरपालिकाके नगरप्रमुखके नाम कथि चियैं ?
च. आहाँ के घरमे कोन बजारसँ घरके जरूरी सामान सव लावेत छै ?

४. स्थानियभाषासबके विषयमें छलफल करु आ निचा देलगेल प्रश्न सबकें उत्तर दियौं ।

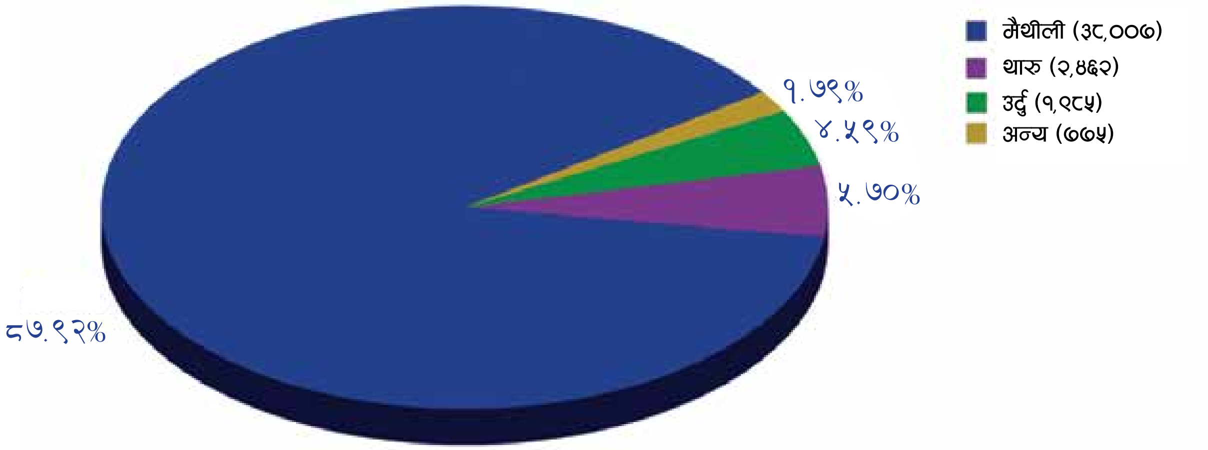

क. आहाँ के नगरपालिकामे कोन कोन भाषा सब बोलेत छै ?
ख. कोन भाषा सबसें ज्यादा लोग सब बोलेत छै ?
ग. आहाँ घरमें कोन भाषा बोले चियें ?
घ. आहाँके दोस्त उ अपन घरमें कोन भाषा बोलेत छै ?

५. जात जातिगतके अवस्था, संस्कृति आ जनसख्या (जातजातिके अबस्था २०७८ उपर छलफल करु आ खेल खेलाबु)

दुई गो समुहमें विद्यार्थी सबके बाडुँ, एक गो समूहके जातजातिबाला पोस्टर दियौं आ दोसर समूहके धर्म आ नैत देवताकँ चित्र कार्ड दियों ।

जात	**धर्म आ घरके (कुल) देवता**
यादव	....
मुस्लिम	....
मुसहर	हिन्दु
थारू	....
चमार (राम हरिजन)	....
तेली	....
तात्मा दास	....
खट्वे	....
धानुक (मण्डल)	....

पाठ २ बोदे बर्साईन नगरपालिकामैं रहल जनता सबके सेवा सब प्रदान करैवाला संघसंस्था सब

१. भिडियो देखकँ छलफल बातचित करुँ आ खेल खेलु ।

(बालबालिकासबके संघ संस्था आ हुनका सबद्वारा प्रदान करेवाला सेवासबँ बिच जोडा मिलाबे वाला खेल)

नगरपालिकाके कार्यालय	बिरामीके स्वास्थ्य जाँच आ हेरचाह
वडा कार्यालय	रूपैयाँ आ ऋण देयवाला
बैंक	खेती गिरहस्ती करैक लेल मल, बियाँ आ औजार
अस्पताल	जन्मदर्ता
कृषि ज्ञान केन्द्र	बिजुली बितरण आ मर्मत
नेपाल विद्युत प्राधिकरण	शान्ति कायम आ सुरक्षा प्रदान
विद्यालय	नगरपालिकाके नीति, बजेट निर्माण आ विकासके पूर्वाधार
प्रहरी कार्यालय	पढाई लेखाई (शिक्षा) प्रदान

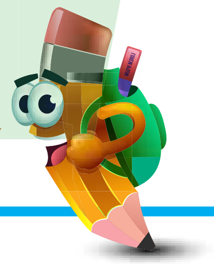

२. चित्र सबमें रंग भरु ।

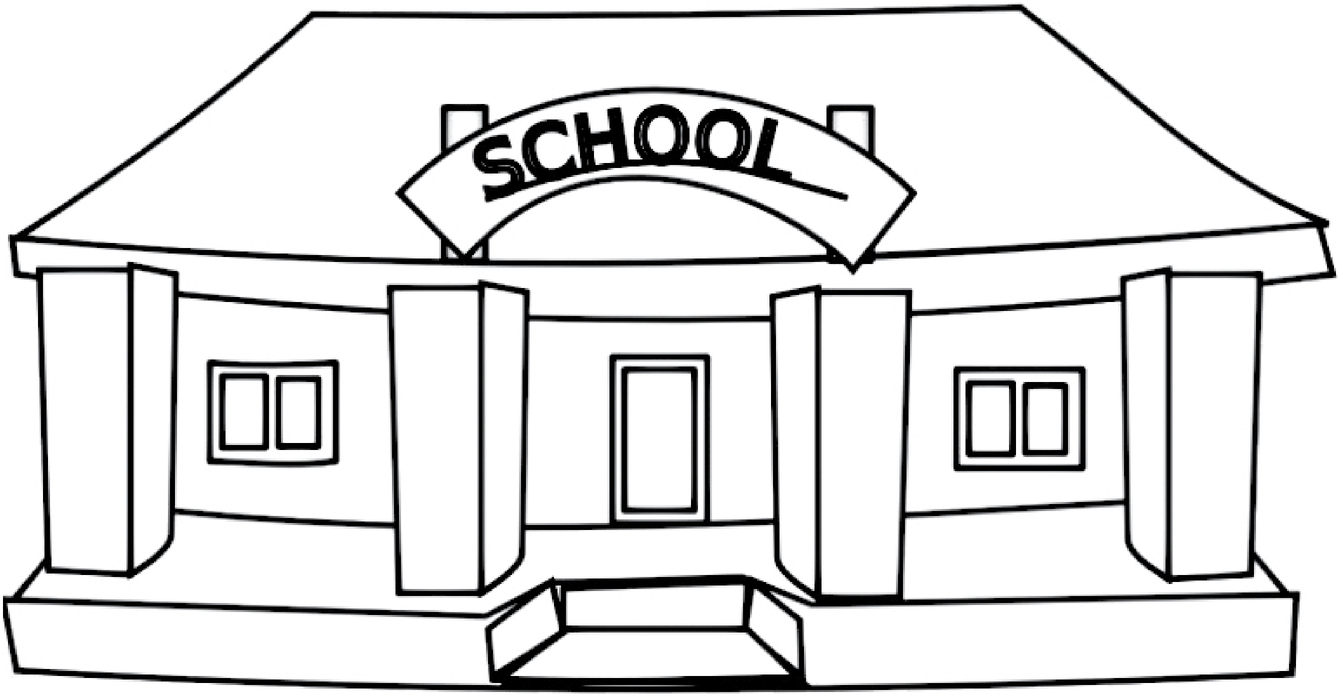

३. परियोजना काज

आँहा अपने स या साथीसबसँगे भ्रमण केल गेल संघसंस्था सब मध्ये कानो एक गो संघसंस्थाके चित्र सादा कागजमे बनाबु आ टाँसु तेकर बाद ओकर बारेमे पाँच वाक्यमे लिखु ।

आन्तरिक मूल्याङ्कन

देल गेल निर्देशन बमोजिम काज करु ।

क. आहाँ अपन माय, बाबु सँगे घुमलहा कोनो कार्यालय आ संघसंस्थाके नाम कहुँ आ ओ कार्यालयद्वारा द रहल सेवा सबके बारेमे कथामे सुनाबु ।

ख. संघसंस्था सबद्वारा दई बाला सेवा सबके विषय में लिखु ।

नगरपालिकाके कार्यालय : ....

वडा कार्यालय : ....

बैंक : ....

अस्पताल : ....

कृषि ज्ञान केन्द्र : ....

नेपाल विद्युत प्राधिकरण : ....

विद्यालय : ....

प्रहरी कार्यालय : ....

हुलाक कार्यालय : ....

इलाका प्रशासन कार्यालय : ....

सहकारी संघसंस्था सब : ....

गैरसरकारी संघसंस्था सब : ....

एकाई ३

बोदेबर्साइन नगरपालिकाके सम्पदा, कला संस्कृती आ रीतिरिवाज

पाठ १ अपन सम्पदा

१. भिडियो देखुँ आ कहल गेल क्रियाकलाप सव करु ।

(बोदेबर्साइनमे रहल मठ मन्दिर, वन, नदी, पोखरी, लगायत सम्पदा सब क बारेमे भिडियो)

सम्पदा खेल

विद्यार्थी सबकें दुईगो समूहमे विभाजन करूँ, सम्पदाके चित्रसव आ सम्पदा अनुसार ओकर नामके कार्ड बनावु, एक गो समूहके चित्र दियों आ दोसर समूहके नामवाला कार्ड दियों, ओं सब अपने सँ मिलेमिले वालाके बिच जोडा बनायत । तकर वाद चलेक लेल करैक लेल लगाबुँ, ओं सब कथि चियें सेहो कहेक लेल लगाबु ।

२. चित्र देखु आ साथीसबसँ बातचित कैरके आँहाके लग में रहल मन्दिरके चित्र बनाबुँ ।

३. चित्रमे देल गेल सम्पदासँ प्राप्त हईवाला बढिया चिजसबँमे गोल घेरा लगाबुँ ।

क. आइग लगनाई

ख. घाँस जरना पावनाई

क. पूजा आ प्रार्थना करेक लेल

ख. खेलेल

क. फोहोर करैकलेल

ख. कपडा धोयक लेल

क. खेतबारीमे सिंचाई करैक लेल

ख. फोहोर फेकैक लेल

क. घुमेवाला ठाँम

ख. फोहोर फेकै वाला ठाम

पाठ २ अपन संस्कृति आ रीतिरिवाज

१. नाटक मञ्चन कँ के पारिवारिक आ सामुदायिक सदाचार कँ अभ्यास करु आ कराबुँ ।

रामनरेश : बाबु जी गोर लागेचीं ।

हरिशचन्द्र : खुब खुश रह, बेटा ।

रामनरेश : आहाँ के हाल खबर कि छै ?

हरिशचन्द्र : बडिया चियौं हम, बेटा ।

हरिशचन्द्र : आहाँके पढाई लिखाई केहेन चलैंत छै, बेटा ?

रामनरेश : बाबु, हम कक्षामें प्रथम भेलौं ।

हरिशचन्द्र : बधाई छौं, बेटा । आहाँ बढ निक काज केलही ।

रामनरेश : बाबु, आहाँ आ मायके बहुत बहुत धन्यवाद । आहाँ सब आ शिक्षक सबके सहयोग सँ हम आई प्रथम भेलियैं ।

हरिशचन्द्र : और बढिया निक जँका पढके गामघर आ शहरके लोग सबके सेवा करब, बेटा ।

रामनरेश : होयते बाबु हम जाइची, आहा अपन आ मायके ख्याल राखब । प्रणाम

२. झिझिया नाचके बारेमे बातचित करुँ ।

३. गोपीचन्द नाच, सोरेठ नाच, सलहेश नाच, अल्हारुदल नाच सब के उपर बातचित करु आ घरमे जाएके भी घरके लोगसब सगँ अहि नाच सब उपर गफसफ करब । (परियोजना कार्य)

४. अपन अपन संस्कृति झल्केवाला पोशाक कपडा लगाकें विद्यालय आबु आ ओकर बारेमे साथीसवके सुनाबु ।

पाठ ३ हमर मिथिलाकला

१. निचा देलगेल जँका मिथिला चित्रमे रङ्ग भरु ।

२. निचा देलगेल जँका क कें मिथिला चित्रमे रङ्ग भरु ।

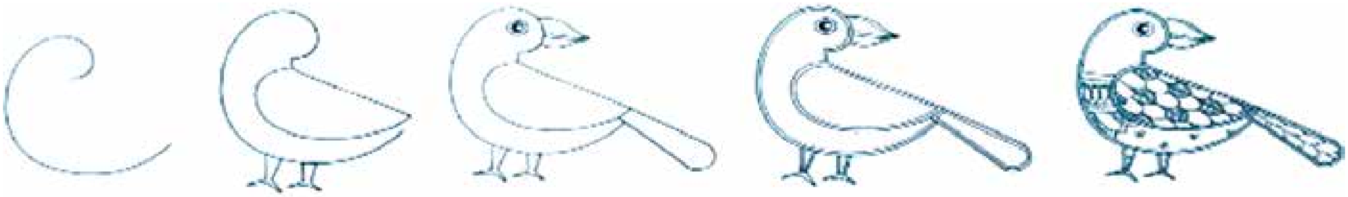

३. अपन घरके भित्तामे मिथिला चित्र टाँगु आ बनाबु ।

४. हमर भाषाके इतिहास ।

मैथिली भाषाके आदिकवि-विद्यापति

विद्यापतिक जन्म सन् १३५२ मे मिथिला क्षेत्रमे (वर्तमान भारतक बिहार राज्यक मधुबनी जिलाक बिस्फी गाम) भेल छेलै । ओकर पिताक नाम गणपति ठाकुर छेलै। विद्यापति नाम संस्कृत भाषा सँ व्युत्पन्न भेल छै। 'विद्या' कऽ अर्थ ज्ञान आ ' पति' कऽ अर्थ 'स्वामी' हएत छै, जकर सम्मिलित स्वरूप 'ज्ञान सँ सुसज्जित पुरूष' हएत छै। हुनकर मृत्यु सन् १४४८ मे ९६ वर्षक उमेर मे नेपाल क भुमि जनकपुरमे भेल छेलै ।

विद्यापति मैथिल कवि कोकिल कऽ नाम सँ सेहो जानल जाएवला मैथिली साहित्यक आदि कवि आ संस्कृतक लेखक छेलैं । ओकर भारतीय साहित्यक 'श्रृङ्गार-रस'क सङ्ग-सङ्गे 'भक्ति-परम्परा'

क सेहो प्रमुख स्तम्भसभ मे सँ एक आ' मैथिली भाषाक सर्वोपरि कविक रुप मे जानल जाइत छै। हिनकर काव्य सभ मे मध्यकालीन मैथिली भाषाक स्वरुपक दर्शन कैल जा' सकैत छै। ऐकर वैष्णव, शैव आ शक्ति तीनहु भक्तिक सेतुक रुप मे सेहो स्वीकार कएल गेल छै। मिथिलाक लोकसभकेँ 'देसिल बयना सब जन मिट्ठा' कऽ सुत्र द' ओ उत्तरी-बिहारमे लोकभाषाक जनचेतना कैं जीवित करबाक महान प्रयास केने छेलैं। विद्यापति द्वारा रचित पद्य सभ मात्र मैथिली भाषा के मात्रै साहित्यिक प्रेरणा नहि देलक सँगसँगै हिन्दुस्तानी भाषा, बङ्गाली, नेवारी आ अंशतःनेपाली भाषा के सेहो साहित्यिक प्रेरणा देने छेलैं।

मिथिला क्षेत्रमे एखनो लोकव्यवहार मे प्रयोग कएल जाएवला गीतसभ मे सेहो विद्यापतिक श्रृङ्गार आ भक्ति-रसमे रचल रचनासभ जीवित छै। पदावली आ कीर्तिलता ऐकर अमर रचनासभ मे सँ मुख्य छेलैं।

५. हमर संस्कृतिके इतिहास ।

मानराजा थान (मन्दिर)

बोदेबर्साईन नगरपालिका मे ऐतिहासिक आ पुरान एकगो बहुत आस्था सँ भरल मन्दिर छै जेकर नाम मानराजा थान चियै। मानराजा गाममे रहल यी मानराजा नेपालकँ एकिकरण सँ पहिलै बाईसी चौबिसे राज्य कँ बखत अई ठाम कँ राजा मानदेव छल। ऐतिहासिक यी मानदेव राजा अई ठामके आदिवासी थारू समुदाय कँ राजा छेलै, यी बातके दावी थारू

चौधरी सब करेत छै। १००० किलो सँ भारी भारी वजन वाला पत्थर सँ बनाईल गेल अई ठामके दरबार, थान (मन्दिर)

कँ दवाल भी वहि वजनकै पत्थर सँ बनाईल छै सँगै पोखर आ ईनार भी बहुत आश्चर्य चकित करेवाला पुरातात्विक सँ भरल छै। हजारौँ साल पुराना ईट्टा सेहौ उखरैत छै, जे बहुत आश्चर्य करवाला जँका छै। यी मन्दिर बहुत शक्तिशाली छै। स्थानिय लोग सब नित-दिन आस्था आ विश्वास क साथ पूजापाठ करेत छै। अई मन्दिरकँ संरक्षण आ प्रवर्द्धन राष्ट्र स्तरमे करनाई जरूरी छै।

आन्तरिक मूल्याङ्कन

देल गेल निर्देशन बमोजिम काज करु ।

क. शब्द पढेक सुनाबु ।

मैथिली, भुजा, मेवा, गोराइत, मेघडम्मर, मरवा, प्रणाम, पोखरी, सालिक

ख. अपन समुदायमे होयवाला नाचसबके नाम कहुँ आ ओ सबमे होयवाला बढिया काम काज रमझम के बारेमें कहुँ ।

ग. ऑँहाके समुदायमें गाबेवाला विवाह गीत गाबुँ ।

एकाई ४

बोदेबर्साइन नगरपालिका भित्तर हईभड रहल तरकारी आ फलफूल खेती

पाठ १ तरकारी खाऊ, स्वस्थ रहुँ।

१. अपना सबहक गामठाममेँ पावैवाला तरकारी सबहक चित्र देखुँ आ छलफल करुँ ।

क. उपरका चित्रमें तरकारी चियै कि फलफूल ?

ख. अएके नाम कथि चियैं ?

ग. अएके रङ केहैन छै ?

घ. यी पकाएके की काँचै खाइत छै ?

ङ. अएके आकार केहैन छै ?

च. कि यी जमिनमे फलैत छै ?

छ. ऐकरा के फरावैत छै ?

ज. यी कतेक के.जी. तक के हइ छै ?

झ. बजारमे किनला प ऐकर दाम कतेक परेत छै ?

ञ. तरकारी खैयला सँ अपना सब निरोगी हई चियै कि बिमार पडैंत चियै ?

२. विद्यालय भित्तर रहल तरकारी बारीमें फलैत रहल तरकारी सबहक नाम कापीमेँ संकलन करु ।

३. ऑँहाके बारीमे आ नजिकैमेँ रहल तरकारीक चित्र बनाबुँ ।

जस्तैः सोहिजन (मुन्गा), अलहु, पियाउज, कोवी, कदिमा, सजमैन, करैला, बौडी, मुरै

४. तरकारीकें पात सबमेँ रङ लगाबु आ छापुँ ।

पाठ २ तरकारी फलाबु, पैसा कमाबुँ ।

१. विद्यालय आ लगँ मे रहल तरकारीबारीमेँ प्रयोग करल जाए वाला औजार सबहकँ नाम कहुँ ।

२. तरकारी बारीमेँ प्रयोग करल गेल औजार सबहक चित्रमेँ रङ भरु ।

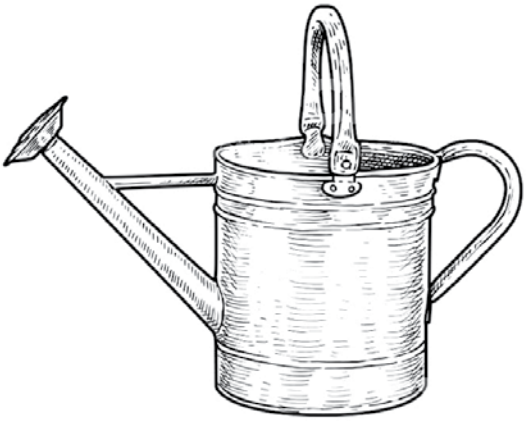
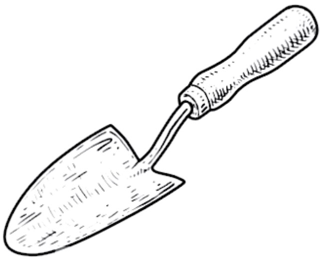
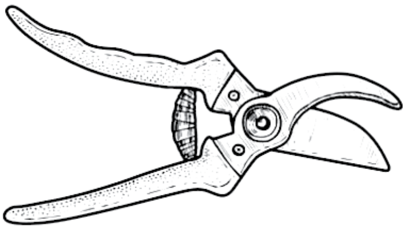

३. औजार सबहक नाम आ ओकर चित्र सबकेँ बिच जोडा मिलाबुँ ।

कोदाइर

हर

हाँसु/हँसुवा

गल/खन्ती

पाठ ३ फलफूल खाऊ स्वस्थ रहुँ।

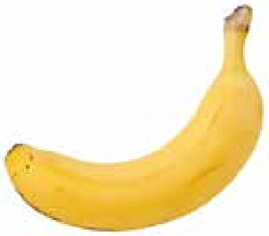

१. अपना सबहक गामठाममेँ पावेवाला फलफूल सँ मिलेवाला चित्र देखुँ आ लय मिलाएकँ गीत गाबुँ ।

आम खाऊ, रिखिया खाऊ ।
आम खाएके, स्वस्थ बनुँ ।
रिखिया खाएके, स्वस्थ बनुँ ।
केला खाऊ, लिची खाऊ
केला खाएके स्वस्थ्य बनुँ ।
लिची खाएके, स्वस्थ्य बनुँ ।

क. उपरका चित्रमें तरकारी चियै कि फलफूल ?

ख. अएके नाम कथि चियैं ?

ग. अएके रङ केहैन छै ?

घ. यी पकाएके की काँचै खाइत छै ?

ङ. अएके आकार केहैन छै ?

च. कि यी जमिनमे फलैत छै ?

छ. ऐकरा के फरावैत छै ?

ज. यी कतेक के.जी. तक के हइ छै ?

झ. बजारमे किनला प ऐकर दाम कतेक परेत छै ?

ञ. तरकारी खैयला सँ अपना सब निरोगी हई चियै कि बिमार पडैंत चियै?

२. अपन गामठाममेँ फरल फलफुल सबहक नाम संकलन करु ।

३. फुलबारीमेँ फरल केराकेँ चित्र बनाबु ।

पाठ ४ फलफूलकँ गाछ वृक्ष रोपुँ।

१. विद्यालय आ आहाँके अपन बारीफुलबारीमे फलफुलके गाछ वृक्ष रोपुँ आ नितदिन पाइन पटाबुँ । (परियोजना कार्य)

२. फलफुल आ तरकारी क महत्बके खेल खेलु ।

(सहि बात कहला पर उठबै आ गलत बात कहला पर बेठबै ।)

क. फलफुल खाएला सँ स्वस्थ हइत छै ।

ख. रिखिया नई खाएबाक चाही ।

ग. तरकारी खायल पडैत छै ।

घ. आलु काचैँ खाएल पडैत छै ।

ङ. केरा खायल पडैत अछि ।

च. लिची गाछमैँ फरैत अछि ।

छ. लिची स्वास्थ्य कँ लेल नई बढिया होयत अछि ।

आन्तरिक मूल्याङ्कन

देल गेल निर्देशन बमोजिम काज करु ।

क. फलफूल चिनकँ नाम ठिक लिखुँ ।

ख. तरकारी आ फलफूलसबँ कतँऽ फलैत छई, जोडा मिलाबुँ ।

सागपात	गाछ मैं
पियाउज	जमिनक उपर
लिचि/लुची	जमिनक निचाँ
अलहु	जमिनक निचाँ
कोबी	गाछमैं
आम	लतिमैं
केरा	जमिनपर
बोडि	गाछमैं

ग. यी औजार कथि कामकँ लेल प्रयोग करैत छई, ठिक उत्तरमैं गोल घेरा लगाबु ।

१. हर (जमिन जोतैल/तरकारी काटैंल)

२. फासुल (तरकारी काटैंल/जमिन जोतैल)

३. कोदाइर (तरकारी काटैंल/जमिन खुनैल)

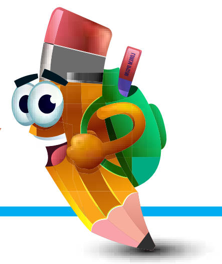

एकाई ५

पशुपंक्षी पालन ब्यवसाय

पाठ १ निचाँ देल गेल क्रियाकलाप करु ।

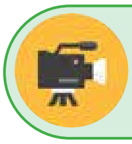

१. चित्रमें/भिडियोमें देखु आ छलफल करु ।

छलफल आ बातचित करेक लेल प्रश्नसब ।

क. लोग सब कथि कइर रहल छै ?

ख. गाय भैंस कथि कथि सब दईत छै ?

ग. भेडा कथिल पालैत छै ?

घ. खरिया कि खायत छै ?

ङ. बकरी रहे वाला घरके कथि कहेत छै ?

च. आँहाके घरमें कोन कोन पशुधन आ चिरैचुनमुनी सब छै ?

२. उपरका चित्र देखकेँ ५ गो पशु आ चिरैचुनमुन व्यवसाय क बारेमें कहुँ ।

पाठ २ पवन लालकँ कुखुरा व्यवसाय

१. पवन लालकँ कुखुरा व्यवसायकँ कथा पढु आ अपन अपन माय बाबुके व्यवसायकँ बारेमे ६ गो वाक्य में लिखुँ ।

पवन लाल चौधरी जी के घर बोदेबर्साइन नगरपालिका वडा नं. ५ में पडैत छै। ओ मुर्गा पालैत छेई। मुर्गा अण्डा दैयत छै। ओकर बेटाबेटी क नाम राम आ सिता चियै, उ सब नितदिन अण्डा खाएत छेलें आ स्वस्थ्य छेलें। राम आ सिता सब दिन मुर्गाके दाना दईत छेलें। ओकर घरवाली चम्पाकली मुर्गाके पाईन दयत छेले। आ ओकर परिवारके सदस्य सब बहुत मिहिनेती आ परिश्रमी कें कारण अखैन, पवन लाल मुर्गाके अण्डा बेचकें एक महिनामें रू.१०,००० दश हजार कमावैयत छै। मुर्गाके माउस बेचकें रू.२०,००० कमावैयत छै। ओकर घरपरिवार बहुत खुश भेल छै।

....

....

....

....

....

....

....

२. चित्रमें देखाओल गेल पशु आ चिरैचुनमुनी सबकें नाम लिखु

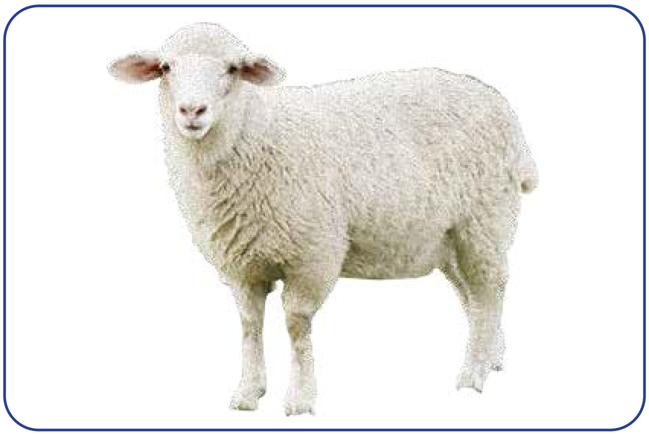

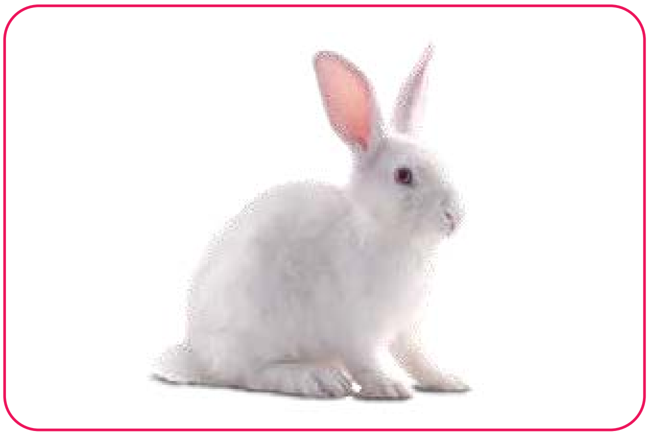

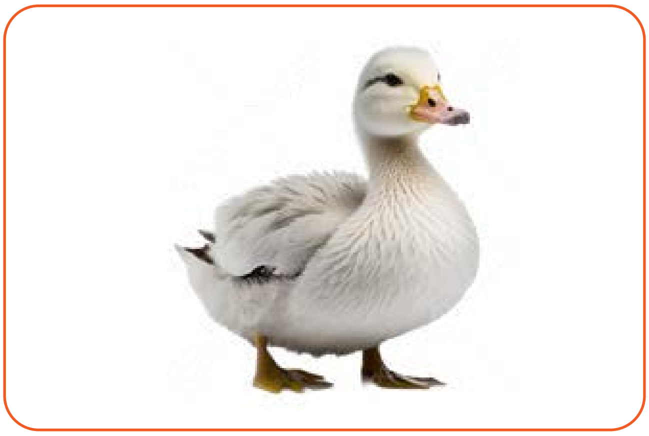

३. जानवरके माय आ बच्चाबच्ची के बीच जोडा मिलाबु
आ औं जानवर सबके नाम भि उच्चारण करु ।

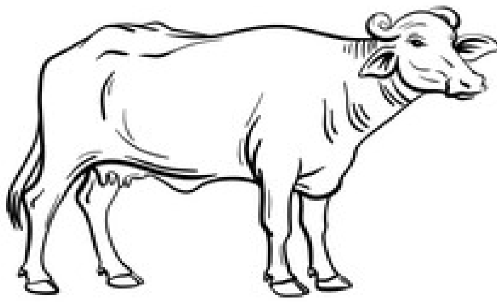

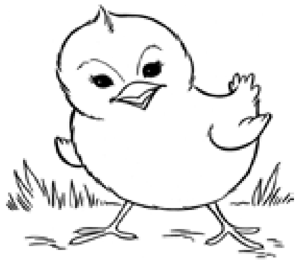

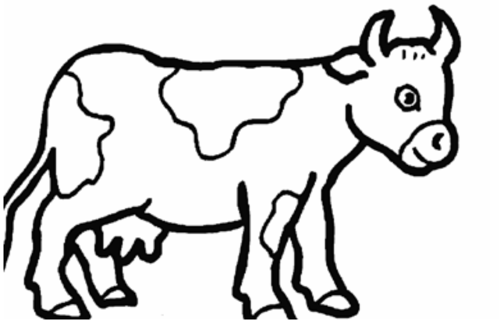

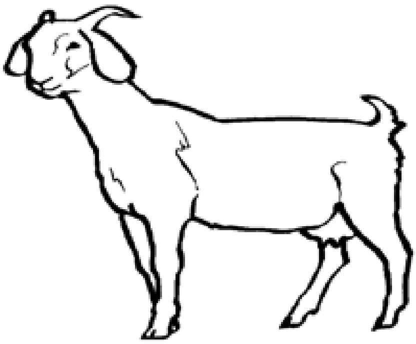

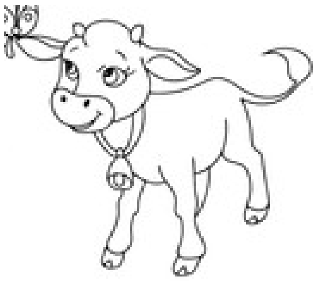

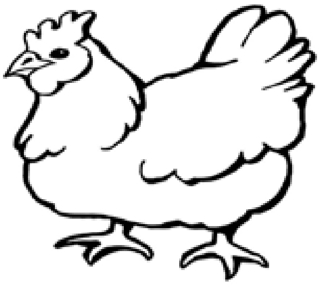

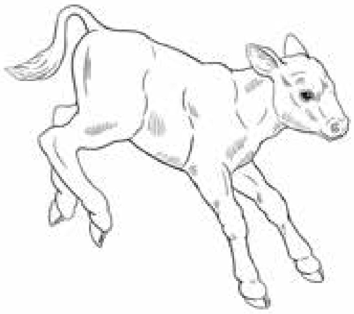

आन्तरिक मूल्याङ्कन

देल गेल निर्देशन बमोजिम काज करु ।

क. पशु आ चिरै चुनमुनी कि सब दैयत छई । जोडा मिलाबु ।

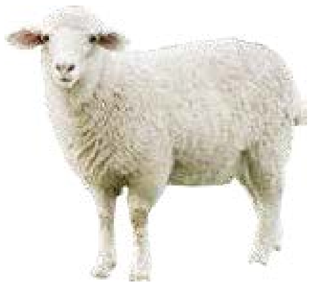

ख. ५ गोटा साथीसंगी सबसँ पुछके ५ गो पशु आ चिरैचुनमुनी व्यवसाय सबकँ नाम लिखु । (गायपालन, भैंसपालन, बकरी पालन, हाँसपालन, खरायो/खरिया पालन, माछपालन, भेडापालन, मुर्गा पालन ई.)

साथी कँ नाम	पेशा आ ब्यवसाय

ग. अँहाके घरमें पशु पालनसँ कतेक रुपैंया कँ आम्दानी होयत छई ? खाली रहल ठाम में मिलाकें लिखु ।

पशु आ चिरैचुनमुनीकें नाम	कतेंक गो अण्डा/के.जी.मासु/लि. दुध बेचेत छई	आम्दानी (रुपैंया)
मुर्गा		

घ. गाय आ हाँसकें चित्र बनाबुँ आ टाँसु ।

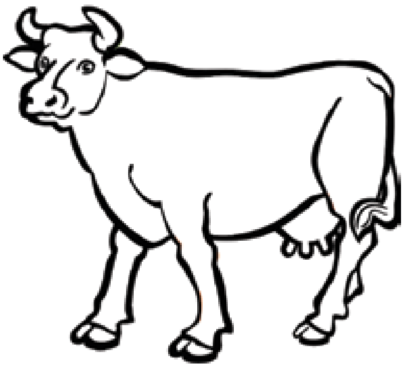

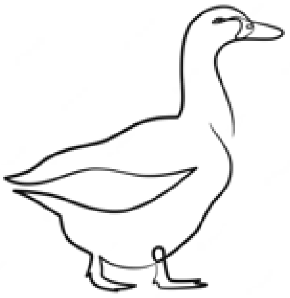

एकाई ६

यातायात, भौतिक पूर्वाधार आ ट्राफिक नियम

पाठ १ यातायात

क. यातायात गाडिवाला गीत गाबु आ छलफल करु ।

रिक्सा चलवैत ऐलु हम, बर्साइन बजार ।
बयल गाडी चलवैत चलवैत एलु हम, बर्साइन बजार ।
कार चलवैत चलवैत ऐलु हम, बर्साइन बजार ।
बस चलवैत चलवैत ऐलु हम, बर्साइन बजार ।

१. रिक्सा मे क्या गोट पहिया हई छै ?
२. बयल गाडी के तानैत रहैत छै ?
३. बस कत: आवैत छै ?

ख. सफा सदा कागजमें बसके चित्र बनाकै रंग भरु आ कक्षामें टासुँ ।

पाठ २ हुलाकी मार्ग

हुलाकी राजमार्ग (सडक) नेपालके तराई क्षेत्र के, पुर्वमें झापा जिल्लाके भद्रपुर बजार सँ पश्चिम में कंचनपुर जिल्लाके दोधारा गाम तक फैलल छै । यी सडक नेपालके सबसँ पुरान राजमार्ग चियै । यी राजमार्ग तराई सिमानाके सबटा २१ गो जिल्ला हईत दुई लेनकँ पक्कि सडक चियै । हुलाकी सडक राजबिराज हयत बर्साइन बजार हयत पश्चिम सिराहा जिल्ला दिश गेल छै । तहिना विसनपुर सँ भारतके लोकही बजार तक पकि सडक बनल छै । यी सडकमें बस, कार, बयलगाडी, रिक्सा, ट्रक, टाँगा, साईकिल आ जिप सब चलैत छै । लोकसवकँ चलैवाला रस्ताके पद मार्ग वाला रस्ता कहेत छै । अपना सवके सडकसँ भक सामान ओसार पसार आ आवैई जाई वाला काजकें आसान बनावैत छै ।

१. उपरका वाक्य पढि कें निचलका प्रश्न सवके उत्तर खोजु ।

क. आहाँके घर सँ विद्यालय तक जाइवाला रस्ता कतेक बडका छै ? आ कतेक किलो मिटर छै ?

ख. विद्यालय जाय वाला रस्ता पक्की छै कि कच्ची ?

ग. आहाँ के कौन सडक मन पडैत छै पक्की कि कच्ची? आ कियाँ ?

घ. आहाँके घर आसपास कया गो सडक रस्ता आहाँ देखनै चियै ?

ङ. पद मार्ग केकरा कहैत छै ?

२. विद्यालय जाय बाला सडक रस्ता के सफा आ सादा कागजमें बनाबु आ कक्षामें सबके देखे वाला ठाममे प्रदर्शन करु ।

पाठ ३ ट्राफिक बत्ती आ जेब्राक्रसिङके देखु अवलोकन क कैं निचा देल गेल क्रियाकलाप सब करू ।

क. सफा सदा कागजमें ट्राफिक बत्ती बनाबु आ मोटका कागजमें टाँसु आ कक्षामें देखाबु प्रर्दशन करु ।

ख. प्रश्नकँ उत्तर खोजु ।

१. ट्राफिक बत्ती कतैक गो छई ?

....

२. कोन बल बत्ती वरला पर रस्ता पार करना चाही ?

....

३. कमिल ट्राफिक बत्ती वल कँ देखकँ रस्ता पार करेक पडैत छई ?

....

ग. सफा सादा कागजमें जेब्रा क्रसिङ भेल चित्र बनाकें कक्षामें टाँसु ।

आन्तरिक मूल्याङ्कन

देल गेल निर्देशन बमोजिम काज करु ।

क. चित्र देखु आ मिलेवाला चित्र आ निर्देशन बिच जोडा मिलाबु ।

रोकु ।

जाऊ ।

जाइकँ लेल तयार भ कँ रहु ।

ख. नई मिलेवाला शब्दमें क्रस (X) करु ।

१. रस्ता .... (जेब्राक्रसिङ/सबदिशसँ) सँ पार करैक पडैत छई ।

२. बस .... (खेत/सडक) में चलैत छई ।

३. पैदल मार्ग नई भेल पर सडककँ .... (दायाँ/बायाँ) भ के जाल पडैत छई ।

४. बाटो पार करैत काल .... (दायाँबाया/अगाडि पछाडि) देखेल पडैत छई ।

५. नगरपालिकाकें कार्यालय अगाडिकें बडका आ लम्बा बाटो सडक .... (हुलाकीसडक/स्थानियसडक) चियैं ।

ग. आँहाके घरमे रहल गाडि यातायात साधन सबकें नाम कहुँ ।

घ. आँहाकै घर आसपासँ चलैवाला १० गो गाडिकें साधन सबकें नाम कहुँ ।

एकाई ७

बोदेबर्साइन् नगरपालिकाके स्थानीय प्रबिधि आ बिकास

पाठ १ स्थानिय प्रविधिसबँ

स्थानिय स्तरमें आ घर परिवारके काम काजकँ सरल आ जल्दी आसान तरिकासँ करैक लेल मद्दत करेवाला औजार आ सामाग्री सब क स्थानिय प्रविधि कहैत छई ।

क. स्थानिय प्रविधि वाला चित्र देखु आ निचाँ देलगेल क्रियाकलाप सब करु ।

१. जोडा मिलाबु ।

	कोदाइर
	ढेंकी
	जाता
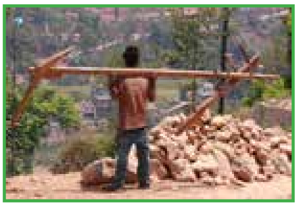	खर्रा, झारू
	गौनेर बुन्नेवाला
	हर

ख. हर कथिकें लेल प्रयोग करैत छई ?

....

....

ग. ऑंहाके घरमें तरकारी कथिसँ काटैंत छई ?

....

....

घ. कोन सस्तामे पावैत छई, गोनैर की कार्पेट ?

....

....

२. रङ भरु ।

पाठ २ ढकिया

निचलका अनुच्छेद पढुँ आ क्रियाकलाप सब करु

ढकिया थारू आ मिथिला समुदायके महिला सव घरकें सामान बोके क लेल प्रयोग करेवाला परम्परागत भाडाके ढकिया कहैत छै । ढकियै जकाँ छोट मौनी भी बनावैत छै । ढकिया खास क के स्थानिय रूपमे उपलब्ध सामाग्री सब सँ बनैत छै, जैना बाँस वा उइख सँ ऐकरा खास केर के डोम जाइत सब बनावैत छै । थारू आ मिथिला महिला सब फलफुल, तरकारी, जरना गोईठा, खेतीपातिकँ सामान सब बोकेकँ लेल ढकियाकँ प्रयोग करैत छै । ओ सब ढकियाकँ देहके सन्तुलन मिलाके माथपे सेहो बिना पकढनै बोकैत छै । ढकियासँ थारू आ मिथिला समुदायकँ परम्परागत ज्ञान, सीप आ प्रविधिकँ देखावैत छै । ढकिया छोट रूपमैं पथिया भि कहैत छै ।

१. प्रश्नकँ उत्तर दियौं ।

क. ढकिया केकरा कहैत छई ?

....

ख. ढकिया कि कि सँ बनैत छई ?

....

ग. ढकिया कँ खास कँ के बोकेत छई ?

....

घ. ढकिया बनावैक लेल कैहेन सीप चाहिँ ?

....

२. ठिक शब्द सबमें गोल घेरा लगाबु ।

क. ढकिया नेपालके ....(थारू/शेर्पा) जातिसब खास कैरके के प्रयोग कामकाज करैत छई ।

ख. ढकिया ....(बाँस /प्लाष्टिक सामग्री) सँ बनैत छई ।

ग. ढकियाकँ ....(माथपर/ गाडिपर) बोकैत छई ।

घ. ढकिया थारू आ मिथिला महिला सबहक सांस्कृतिक ....(सम्पदा/प्राकृतिक सम्पदा) छई ।

३. ढकिया/पथियाकें चित्र बनाबु ।

पाठ ३ अपन प्रविधि सबहक नाम आ ओ सबहक काज

क. आँहा के समुदायमें प्रयोग कामकाज मे रहल स्थानिय प्रविधिसबहक नाम संकलन करु आ निचलका सूची बनाबु ।

स्थानिय प्रविधिसबहक नाम	समुदायके नाम	कथि कथि काममें काज लागैत छई?

ख. कोनो दुई गो माईटके भाँडा/बर्तन बनाबु ।

ग. स्थानिय प्रविधि सबहक प्रयोग कँ के नाटक/नांच करु ।

ढकिया बोकु

तरकारी काटु

आन्तरिक मूल्याङ्कन

देल गेल निर्देशन बमोजिम काज करु ।

क. चित्र देखुँ आ मिलेवाला सँ जोडा मिलाबु ।

- मटकौरी
- वेन्च, कुर्सी, टेवल
- गोनैर (गुन्द्री)
- ढकिया / डाली

ख. औजार सबहक नाम आ औं सबहक काम सब कहुँ ।

एकाई ८

स्थानिय प्राकृतिक प्रकोप आ स्वास्थ्य सम्बन्धकऽ चेतनासब

पाठ १ प्राकृतिक प्रकोप

क. शितलहर सम्बन्धहक निचलका वाक्य सब शिक्षकके सँगऽ पढु आ निचलका क्रियाकलाप सबकरु

बोदेबर्साइन नगरपालिकामें अगहन, पुष आ माघ महिनामें बहुतौं ठण्डा जार हइ छै । जार मौसममें उजर जँका धुइन (हुस्सु) भि लागैत छै । जार भेल बखत अपना सब ज्याकेट, कोट, सुईटर, गोडना गरमवाला कपडा सब लगावैत चियै । खाईवाला चिजसब गरम गरम खाइत छै । खास क कें पुष महिनामे शितलर मे हेम खसैत छै । ठण्डा हावा सँ पाईन कँ थोपा सब आकाशसँ खसेत रहैत छै जेकना हेम कहै छै । शितलहक आ हेम खसैत बखत घरमें रहना चाँहि । शितलहर में हावा चलेत बखत आईग घरसँ बाहर में नई बरना चाँहि यदि बारवै त सतर्क भया के बारना चाँहि । शितलहर हेम लागल महिनामें खास कैर कें बालबच्चा आ जेष्ठ वृद्ध पुरान लोग सबके बेशी सताबेत दिकत आ विरामी बनावैत छै ।

१. प्रश्न सबहक उत्तर लिखु ।

क. कोन महिनामें जाड ठण्डा बेशी लागैत छई ?

....

....

ख. शितलहर कथि चियैं ?

....

ग. बहुतो जाड ठण्डा भेला पर केहेन कपडा लगावै पडैत छई ?

....

घ. शितलहर चलैत बखतमें ओईस बचेक लेल कि सब करैल पडैत छई ?

....

ङ. केहेन लोग सबकें शितलहर के बखत खास क कें बिरामी बनावैत छई?

....

२. प्राकृतिक प्रकोप आबै बाला औरो कारणसब जेना: आइगलागी, पत्थर खसनाई (असिना), बजर गिरनाई (चट्याङ), बिहाईर हाबा, बाईर (बाढी), बहुतौ बारिस होनाई, बहुतौ गर्मी भेलापर लु लग्नाई, भुकम्प, खडेरी मध्ये एकटा कँ बारेमें अपन दादा दादी, माय बाबुसँ पुछिकें कक्षामें कहुँ ।

सहयोगी प्रश्न सब:

क. प्राकृतिक प्रकोपके नाम ?
ख. प्रकोप भेल रहल वर्ष ?
ग. बालीनाली आ घर के हानी केएलके ?
घ. लोग सब मरल कि आ घाइते भेल ?
ङ. अई सँ बचक लेल कि कि करबा कँ चाहि आ कि नई करबाक चाहि?

३. कहुत, कियाँ सडक दुर्घटना होयत छई ?

क. ट्राफिक नियम नई मानलापर
ख. समय समयमें गाडी मर्मत नई केलापर
ग. निक जँका गाडि नई चललापर गेला पर
घ. रस्ता बिगरला पर

४. घरमें आगलागी भकेऽ लोग सब घाइते भेलगेल कथा सुनु आ क्रियाकलाप सब करु ।

एकगो बढिया छोटसँ शहरकें शान्त सडकमें एकगो घर छेले । एक दिन ठण्डा रातमे एकगो भान्साघरमें एकटा लुटि सँ लाइग चम्कल । एक साहसी पडौसी ओ आइग देखलक आ तुरून्तै आपतकालीन सेवा वाला फोन नम्बर में फोन कैयलक । आइग बहुत तेज गति सँ फैल लागल सब चीज सामान सब भस्म भ गेले । झयाल सब सँ धुँवा निक्ल लाग्ल, सबौं पडौसी सबकँ डर त्रास भयभित भऽ गेलै । एक छन बादमें एकगो आगो नियन्त्रण गाडी दमकल (फायर फाइटर ब्रिगेट) साइरन बजावैत आ हातमें पाईप सब लेनह घटना स्थलमें पुग्ल । आइग नियन्त्रक दमकल बाला सब बहुत कुशलता सँ निक जँका हिम्मतकँ साथ आईग कँ खतराके नियन्त्रण कैलक । खतरा परास्त भेल लेकिन धनकें क्षति भेल ।

ओकरा सब सँगै प्यारामेडक सब परिवारकें चोटपटक कँ उपचार करैक लेल आइब गेल, सान्त्वना आ हेरचाह प्रदान कैयलक । ओ सब आइग आ धुवाँ साँसकँ उपचार कयलक आ ओ सबकें जल्दी सँ जल्दी ठिक भ जाइत सें आश्वासन देलक । पडौसी सब आश्रय, कपडा आ समर्थन दैयत, घरकें फैनौंसँ पुन निर्माण करैक लेल एक जुट भेल । चुलाकें आइग बढिया जँका नई मिझैला सँ आइग लागल छेलै ।

क. घरमें आगलागी नई होय देयक लेल कि सब करना चाहि ? ५/५ गो साथी सब कँ समूह बनायकें छलफल करू आ कक्षामें प्रस्तुत करू ।

पाठ २ स्वास्थ्य सम्बन्धकँ चेतना

१. भिडियो देखुँ सफा सावुन पाइन सङ हात धौयक लेल सिखुँ ।

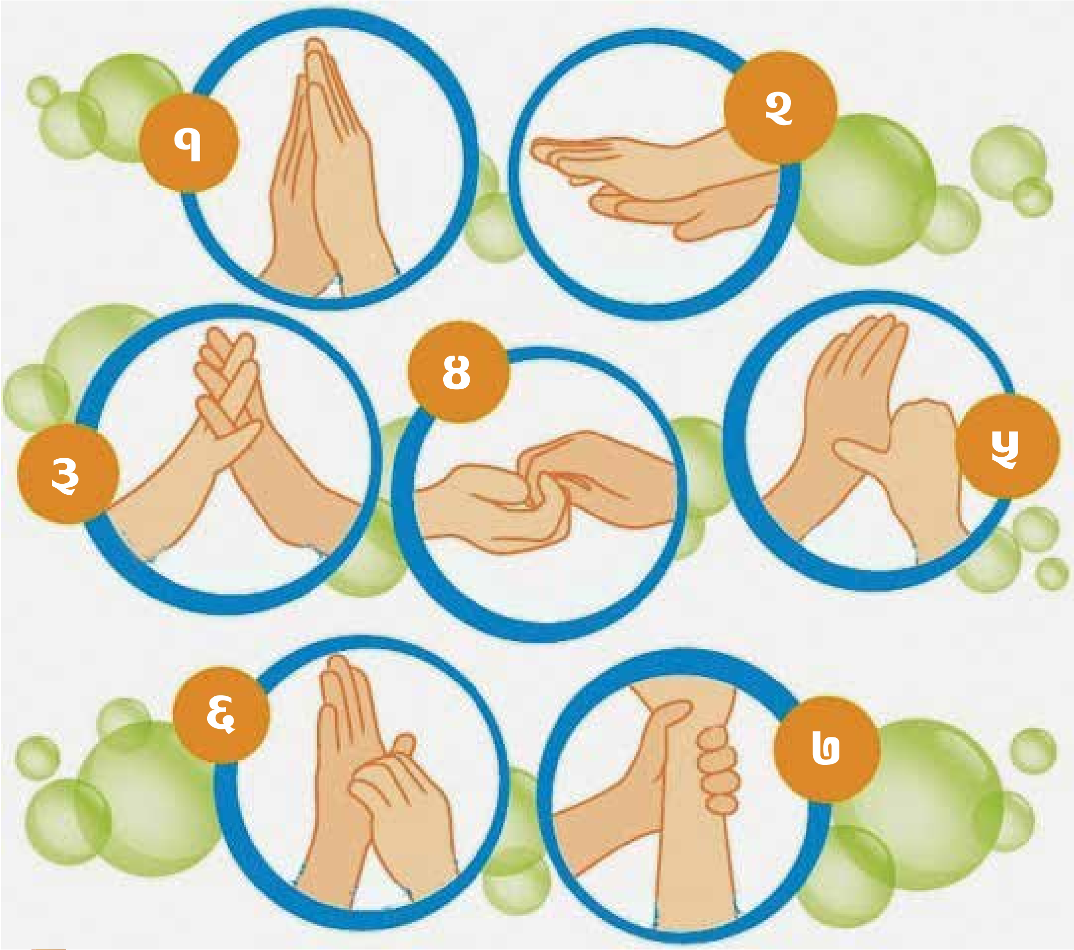

उपरका भिडियो देखकें ठिक बेठिक छुट्याबुं:

क. हात गंदा भेला पर धौयल पडैत छई। (ठिक/बेठिक)

ख. साबुन पाइनसँ मात्र हात धौयबाक चाही। (ठिक/बेठिक)

ग. खाना आ जलखें खायसँ पहिले आ बादमें हात धोयबाक चाही। (ठिक/बेठिक)

घ. गंदा पोखेर कँ पाइनसँ हात धोना चाही। (ठिक/बेठिक)

२. घरमें परिवारके औइ सदस्यसब कोना कँ हात धोयत छई, अवलोकन करु आ ठिक नई लागल पर ओकरा सबकड सिकाबु।

३. रङ भरु।

पाठ ३ स्वास्थ्य केन्द्र

क. जानकी आ शंकर बिचके बातचित सुन्नु आ देल गेल क्रियाकलापसब करु ।

जानकी : नमस्कार, शंकर भाईजी ।

शंकर : नमस्कार, जानकी बहिनी ।

जानकी : निके चियैन भाईजी?

शंकर : बिमारी भेल चि ।

जानकी : कोन रोग लाग्ल, भाईजी?

शंकर : पेट दुखाईत छई ।

जानकी : कथि खयने छेलियै, भाईजी?

शंकर : हात नई धोएकें बिबाहकें भोज खैने छेलियें।

जानकी : हात किया नई धोलियै, भाईजी?

शंकर : हम जल्दी में छेलु ।

जानकी : स्वास्थ्य केन्द्र जाईत चियै, भाईजी?

शंकर : पेटकें जाँच/ईलाज करावैक लेल जाई चियै, डाक्टर सेहायब सँ देल गेल दबाई खायल पडतैं ।

जानकी : आव सँ हात धोएकँ खाएब, भाईजी ।

शंकर : धन्यबाद, बहिनी जानकी ।

१. शब्द सब पढु ।

स्वास्थ्य | बिरामी | हात ओनाइ | डाक्टर

दबाई | इलाज | केन्द्र | विवाह | भोज

२. खाली ठाममें मिलेवाला शब्द भरु ।

क. शंकर ....के ईलाज कराबैक लेल जाईत छैल ।

ख. डाक्टर साब ....दैयते ।

ग. रोग लागला क बाद अपना सब .... होय चियैं ।

घ. हात ....मात्र खाईवाला चिज खायवाक चाहीं ।

३. जानकी आ शंकरकँ अभिनय केर कें बातचित नाटक करु ।

४. रङ भरु ।

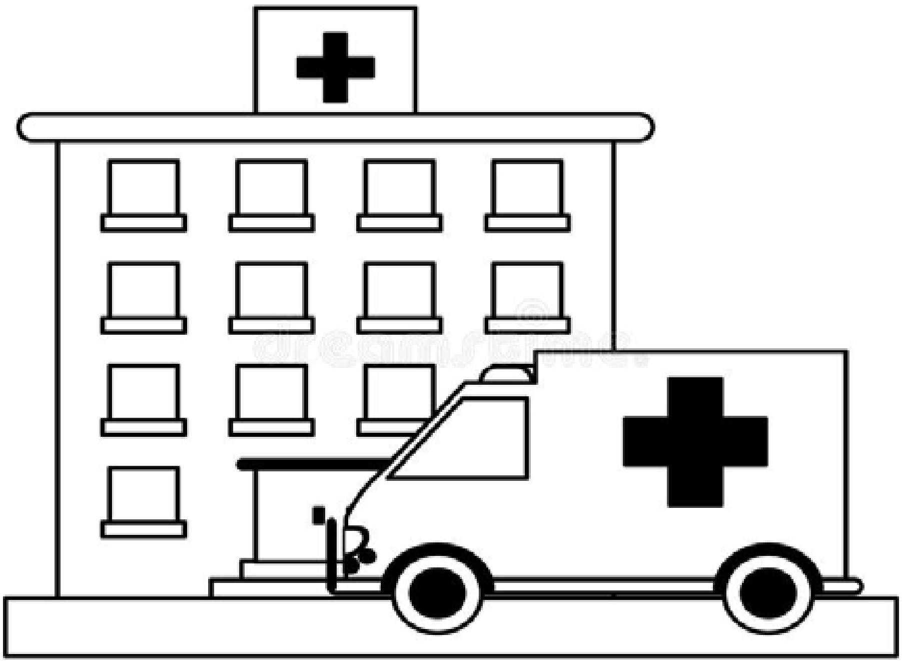

आन्तरिक मूल्याङ्कन

देल गेल निर्देशन बमोजिम काज करु ।

१. ६ चरणमें हात धोएकें चरण सब देखाबु ।
२. "लु" कोन महिना मे चलैत आ लागैत छई ?
३. अग्नि नियन्त्रण गाडि दमकल कथि करैत छई ?
४. बाइढ स बचैक लेल की करना चांही ?
५. अपन घर आँगन किया सफा राखैक पडैत छई ?
६. किया फोहोर आ गंदा कँ सड्वाला आ नई सड्वाला कइरक छुट्याके राखवाके चाहीं ?